mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-203 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

25 जुलाई 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगाढ़ से एक साथ प्रकाशित

विश्वकप के लिए

@ पेज 7

समाज को नशा और अपराध मुक्त बनाने के लिए प्रदेश पुलिस चला रही है जागरुकता अभियान

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नशे से दूरी है जरूरी अभियान केवल अभियान नहीं, मादक पदार्थों की लत से युवाओं को बचाने की दिशा में समाज और पुलिस की सहभागिता का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित वृहद जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी-है जरूरी के अंतर्गत भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह अभियान 15 से 30 जुलाई 2025 तक प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस मुख्यालय के नारकोटिक्स विंग द्वारा संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है।

नशा मुक्ति अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस अधिकारी, नगर एवं ग्राम रक्षा समितियां और कम्युनिटी पुलिसिंग के सभी विंग साथ मिलकर स्कूल, कॉलेज के युवाओं और आमजनों को नशे से दूरी बनाने के लिए जागरुक करेंगी। स्वयंसेवी संस्थाओं को भी प्रदेश स्तरीय महाअभियान से जोड़ा जा रहा है ताकि जनता में विशेषकर युवाओं में जागृति आए कि नशा किस प्रकार से उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को खत्म कर प्रगति को बाधित कर रहा है। पुलिस का यह कार्य जन-जागरुकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि समुदाय को कानून, असुरक्षा, गलत नीतियों के बारे में जानकारी देना आवश्यक है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद 112 पायलटों ने छुट्टी ली

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश के 4 दिन बाद एअर इंडिया के 112 पायलटों ने बीमारी की छुट्टी ली। यह जानकारी सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने गुरुवार को संसद में दी। उन्होंने बताया कि 16 जून को 61 सीनियर पायलट और 51 फ्लाइट ऑफिसरों ने छुट्टी के लिए अप्लाई किया था। राम मोहन नायडू कहा- इस तरह के हादसे के बाद पायलटों के मानसिक स्वास्थ्य को पहचानना और ठीक करने के लिए प्रबंधन करना बहुत जरूरी है। मंत्री ने बताया कि अब एयरलाइनों को सलाह दी गई है कि वे पायलटों के लिए सपोर्ट ग्रुप बनाएं। इधर, (डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) ने एअर इंडिया को 4 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। ये नोटिस केबिन क्रू के आराम और ड्यूटी नियमों, ट्रेनिंग रूल्स, और ऑपरेशनल प्रोसीजर के उल्लंघन को लेकर हैं।

रेणुकास्वामी मर्डर, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट को दोबारा फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक हाईकोर्ट को कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा को जमानत देने के फैसले पर दूसरी बार फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट ने रेणुकास्वामी मर्डर केस में ज्यूडिशियल पावर का गलत इस्तेमाल किया है। इससे पहले 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से एक्टर दर्शन को मिली जमानत पर सवाल उठाए थे। इस दौरान कहा था कि लगता है हाईकोर्ट ने अपने विवेक का सही इस्तेमाल नहीं किया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर की जमानत रद्द करने का फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल, एक्टर दर्शन को रेणुकास्वामी मर्डर केस में 13 दिसंबर 2024 को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, जिसके बाद वो जेल से रिहा हुए थे। इसी के खिलाफ कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को मार्च में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।सुप्रीम कोर्ट बोला- ट्रायल कोर्ट से ऐसी गलती स्वीकार्य, हाईकोर्ट जज से नहीं जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने गुरुवार को कहा- वे हाईकोर्ट वाली गलती नहीं करेंगे। उन्होंने मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा के वकील से कहा- हम दोषसिद्धि या बरी करने का कोई फैसला नहीं देंगे।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट-सुप्रीम कोर्ट की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

आरएसएस प्रमुख भागवत मुस्लिम धर्मगुरुओं से मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत गुरुवार को दिल्ली के हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। आरएसएस की टॉप लीडरशिप और 70 से ज्यादा मुस्लिम धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों, मौलानाओं, स्कॉलर के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई। इस बैठक में ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद और आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, राम लाल, इंद्रेश कुमार सहित आरएसएस के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए हैं।

अमित शाह ने नई सहकारिता नीति पेश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के अटल अक्षय ऊर्जा भवन में गृहमंत्री अमित शाह ने नई सहकारिता नीति पेश की। उन्होंने कहा कि इससे विकसित भारत की अवधारणा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यह पॉलिसी भारत की जरूरतों और विकास को ध्यान में रखकर बनाई गई है। सहकारिता यानी मिलकर काम करने की सोच को वही सरकार सही मायने में समझ सकती है जो देश की जमीन से जुड़ी हो। शाह ने आगे कहा, अगर गांव,

किसान और आम लोग खुशहाल, रोजगार से जुड़े और संतुष्ट होंगे, तो देश की अर्थव्यवस्था कभी कमजोर नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इस नई नीति का मकसद है। सहकारी संस्थाओं को मजबूत करना, गांवों को आत्मनिर्भर बनाना और लोगों को नए रोजगार देना।साथ ही उन्होंने सभी राज्यों को 31 जनवरी 2026 तक अपनी-अपनी राज्य सहकारिता नीति तैयार करने का निर्देश दिया। यह नीति अगले 20 साल यानी 2045 तक के लिए बनाई गई है। इसके तहत हर पंचायत में समितियां खुलेंगी। पॉलिसी का मकसद है कि गांव-गांव में बनी सहकारी समितियों को और मजबूत किया जाए, जिससे लोग खुद जुड़कर रोजगार पा सकें और देश की तरक्की में हिस्सा ले सकें।

नए उपराष्ट्रपति के लिए थावरचंद गहलोत, ओम माथुर का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के 3 दिनों के भीतर निर्वाचन आयोग ने इस पद के लिए चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। चुनाव की तारीखें जल्द घोषित की जाएंगी। इस बीच, भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है।

फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। अन्य नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है। आयोग ने इस पद के लिए निर्वाचक मंडल, रिटर्निंग ऑफिसर और अन्य जरूरी चीजों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। आयोग की तैयारियों के बीच भाजपा की कोशिश होगी कि इस पद का उम्मीदवार किसी अन्य सहयोगी को बनाने की जगह अपने उम्मीदवार का नाम तय कर उसके नाम पर सहयोगी दलों को राजी करे। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक देश के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामला- संसद में विपक्ष की नारेबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है। सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा करने लगे। कांग्रेस सहित कई विपक्षी सांसद वेल में आकर पोस्टर लहराने लगे। स्पीकर ओम बिरला ने कहा- तख्तियां लेकर आने पर सदन नहीं चलेगा। उन्होंने कांग्रेस सांसदों से कहा- ये आपके संस्कार नहीं हैं।

हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही आज सिर्फ 12 मिनट चल सकी। इसे शक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही सिर्फ 1:45 मिनट चल पाई।

जस्टिस वर्मा केस- जांच के लिए अब केंद्र बनाएगा कमेटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने की तैयारी कर रही है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इस कमेटी में सुप्रीम कोर्ट के एक जज, किसी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और एक प्रतिष्ठित कानूनविद को शामिल किया जा सकता है। यह कमेटी जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगे आरोपों की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट देगी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट की ओर से हुई इन हाउस जांच में जस्टिस वर्मा को कैश बरामदगी मामले में दोषी माना गया था।

उधर जस्टिस यशवंत वर्मा के कैश कांड की सुनवाई से चीफ जस्टिस बीआर गवई ने खुद को अलग कर लिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा, मेरे लिए इस केस की सुनवाई में शामिल होना उचित नहीं होगा, क्योंकि मैं पहले भी इसका हिस्सा रहा हूं। दरअसल, 19 जुलाई जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की थी।

हिमाचल में यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी, 8 लोगों की मौत, 21 घायल

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी में आज (गुरुवार) सुबह हिमाचल पथ परिवहन निगम की एक बस 150 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। एसपी मंडी ने इसकी पुष्टि की है। मृतकों में 4 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल हैं। घायलों को स्थानीय पुलिस व ग्रामीणों की मदद से खाई से निकालकर सरकाघाट अस्पताल पहुंचाया गया। चार घायल अभी भी सरकाघाट अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि 17 घायलों को नेरचौक मेडिकल कॉलेज और एम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि एचपी-28ए-3717 नंबर बस गुरुवार सुबह करीब 9 बजे सरकाघाट से दुर्गापुर जा रही थी और करीब पौने 10 बजे सरकाघाट-जमनी-दुर्गापुर सड़क पर मसेरन तालगरा के पास अचानक बस बेकाबू होकर खाई में गिर गई। बस में ड्राइवर कंडक्टर समेत कुल 29 यात्री सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को हादसे की जानकारी दी और खुद भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटे। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक सूचना के अनुसार, यह हादसा तीखे मोड़ पर ड्राइवर द्वारा बस पर नियंत्रण खोने से हुआ है।

गुजरात के डेडियापाड़ा में अरविंद केजरीवाल की जनसभा

मोडासा (गुजरात। गुजरात दौरे के दूसरे दिन आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान नर्मदा जिले के डेडियापाडा पहुंचे हैं। वे आज यहां आप विधायक चैतर वसावा के समर्थन में जनसभा करेंगे। इस सभा का मुख्य उद्देश्य चैतर वसावा की गिरफ्तारी के विरोध में उनका समर्थन करना है। सामान्य जीवन से सत्ता में आने के बाद भाजपा नेता भ्रष्टाचार कर रहे हैं, धन इकट्ठा कर रहे हैं और आदिवासियों के अधिकार छीन रहे हैं। भाजपा का नेता पहले साइकिल पर घूमता है, लेकिन नेता बनते ही उसका बंगला बन जाता है। यह भ्रष्टाचार के कारण ही संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार ने स्कूल, अस्पताल, जल, जंगल और जमीन पर पैसा बर्बाद किया है। इससे आदिवासी समुदाय का विकास बाधित हुआ है और उनके अधिकार छीने गए हैं।

हिमाचल में लैंडस्लाइड, 345 सड़कें बंदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने गुरुवार को आठ राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र में रेड, जबकि बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, पिछले 24 घंटों में दिल्ली, गोवा, तेलंगाना सहित 6 राज्यों में सबसे ज्यादा बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड से दो नेशनल हाईवे समेत कुल 385

सड़कें बंद हैं। राज्य में 22 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से, अब तक 137 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लापता हैं। इस दौरान 1382 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति भी नष्ट हो चुकी है। उधर हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर नहरों में चार लाशें मिलीं। दिल्ली-एनसीआर में बीते दिन लगातार बारिश से सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया। नोएडा में 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बिहार में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ गया है।

क्या जगदीप धनखड़ के ऑफिस को सील किया गया?

जयपुर (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि जगदीप धनखड़ के सरकारी आवास पर स्थित उनके दफ्तर को सील कर दिया गया है। वहीं, उन्हें जल्द ही सरकारी आवास खाली करने के लिए भी कहा गया है। इस दावे को साबित करने के लिए न्यूज चैनल की खबर का स्क्रीन शॉट भी शेयर किया जा रहा है। स्क्रीन शॉट पर लिखा है- जगदीप धनखड़ के दफ्तर को सील किया गया, उनकी सोशल मीडिया टीम को भी हटाया गया। सरकारी घर को खाली करने के लिए कहा गया। एक निजी न्यूज चैनल के वीडियो को शेयर करते हुए यूजर ने लिखा- ऐसी क्या दुश्मनी हो गई भई धनखड़ जी से! चंद्रचूड़ साहब महीनों घर पर कब्जा बनाए रहे, इन्हें अगले ही दिन धक्का दिया जा रहा है।

पंजाब-हरियाणा और चंडीगढ़ के कांग्रेस सांसदों का प्रदर्शन

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कांग्रेस सांसदों ने आज गुरुवार दिल्ली में संसद भवन परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध हाल ही में गोल्डन टेंपल को धमकियां दी जाने वाली धमकियों को लेकर था। सांसदों ने इस दौरान अज्ञात आरोपियों को पकड़ने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ये प्रोटेस्ट किया। सांसदों ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार से जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग की। कांग्रेस के सांसद और पीपीसीसी प्रधान अमरिंदर सिंह राजावडिंग, सुखजिंदर रंधावा, कुमारी शैलजा, धर्मवीर गांधी, शेर सिंह घुबाया, मनीष तिवारी और गुरजीत औजला ने एकजुट होकर भाग लिया।

सभी नेताओं ने इस मुद्दे पर एक सुर में कहा कि गोल्डन टेंपल सिख समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था और पहचान का प्रतीक है, और इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सांसदों का कहना था कि यह केवल धार्मिक भावनाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है।

राहुल बोले- चुनाव आयोग ने कर्नाटक में धोखाधड़ी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के विरोध के बीच चुनाव आयोग पर कर्नाटक में भी धोखाधड़ी का आरोप लगाया। राहुल ने गुरुवार को संसद के बाहर कहा कि वोटर लिस्ट रिवीजन के नाम पर कर्नाटक में हजारों बोगस वोटरों के नाम जोड़े गए। राहुल ने कहा, चुनाव आयोग ने कर्नाटक की एक सीट पर धोखाधड़ी कराई। हमारे पास इसके 100 प्रतिशत सबूत हैं। एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 50, 60 और 65 साल के हजारों-हजार नए वोटरों को सूची में जोड़ा गया है और 18 साल से ज्यादा उम्र के वोटरों को सूची से हटा दिया गया है। कांग्रेस सांसद ने कहा, हमे अभी एक सीट की जांच में यह गड़बड़ी मिली। मुझे पूरा यकीन है कि हर सीट पर यही नाटक चल रहा है। मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे। राहुल के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कहा, कर्नाटक में लोकसभा चुनाव-

2024 को लेकर कुल 10 चुनावी याचिकाएं लगाई गई थीं, लेकिन इसमें से एक भी कांग्रेस के चुनाव हारने वाले किसी उम्मीदवार ने दायर नहीं की थी।

ईसी ने कहा, कांग्रेस जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 24 के तहत शिकायत कर सकती थी। लेकिन डीएम या सीईओ के पास एक भी अपील दायर नहीं की गई। आयोग हैरान है कि इस तरह के निराधार और धमकी भरे आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं और वह भी अब? चुनाव आयोग बोला- राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर सोचिए राहुल गांधी ने यह बातें ईसी के उस बयान के बाद कही हैं।

उद्यानिकी फसलों के लिए बेहतर विपणन व्यवस्था के प्रयास तेज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में उद्यानिकी फसलों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उद्यानिकी फसलों के विपणन के लिए बेहतर बनाए जाने के लिए प्रदेश में तेजी से प्रयास किए गये हैं। इसी कड़ी में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में उद्यानिकी फसल मार्केटिंग गठन सलाहकार बोर्ड की बैठक बुधवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी फसलों के उत्पादक कृषकों को उनकी फसल का उचित दाम दिलवाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा पृथक से उद्यानिकी फसल उपज मंडी बोर्ड बनाने पर कार्य प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में म.प्र. कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 के अधीन म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड का गठन किया गया है। इनमें कृषि और उद्यानिकी का फसलों का क्रय-

विक्रय एक ही परिसर में किया जाता है। प्रदेश की 25 कृषि उपज मंडी समिति है जिसमें फल-सब्जियों के विक्रय के लिये 174 मंडियाँ अधिसूचित है। नवीन व्यवस्था लागू हो जाने पर फल-फूल सब्जी फसल के लिये पृथक नवीन परिसर बनाये जाएंगे। प्रस्तावित मंडियों में ग्रेडिंग, सोर्टिंग, पैकिंग, पैकहाउस, कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड चैन, भंडारण आदि सुविधाएँ विकसित की जायेंगी। कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक बर्णवाल ने निर्देश दिये हैं कि उद्यानिकी फसलों के लिए पृथक मंडी गठन से पूर्व मंडी बोर्ड और उद्यानिकी विभाग देश के अन्य राज्यों की कृषि मंडी और उद्यानिकी फसल उपज मंडियों का सर्वे कर विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर सलाहकार बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने ग्वालियर संभागीय मुख्यालय पर संचालित निजी फल मंडी का अध्ययन करने के निर्देश प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड कुमार पुरूषोत्तम को दिए। उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर में कृषि उपज मंडी और सब्जी मंडी दोनों नगरीय सीमा लक्ष्मीगंज में होने के कारण शहर का यातायात बाधित होता है। साथ ही मंडी प्रांगण भी समय की मांग के अनुसार अब छोटा होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंडी बोर्ड को नवीन कृषि उपज मंडी विशेष क्षेत्र विकास जाना चाहिए। इसके लिए मंडी बोर्ड सर्वे कर रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करे। बैठक में सचिव कृषि निशांत बरबड़े, आयुक्त उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण प्रीति मैथिल, प्रबंध संचालक मंडी बोर्ड कुमार पुरूषोत्तम सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आरडीएसएस के तहत पश्चिम क्षेत्र का 77वां बिजली ग्रिड ऊर्जीकृत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर के अंतर्गत पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र का 77वां बिजली ग्रिड आगर जिले के सुसनेर तहसील के सालरिया ग्राम में ऊर्जीकृत हुआ है। सालरिया में 3.10 करोड़ रूपए की लागत से बने 33/11 केवी के 5 एमवीए क्षमता के नये ग्रिड की सौगात मिलने पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्रामीणों को बधाई दी है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सालरिया का बिजली ग्रिड आगर जिले का तीसरा, उज्जैन संभाग के 37वां और पश्चिम क्षेत्र का 77वां बिजली ग्रिड हैं। प्रबंध निदेशक ने बताया कि आरडीएसएस अंतर्गत मालवा निमाड़ क्षेत्र में बने इन 77 ग्रिडों से पश्चिम क्षेत्र कंपनी की बिजली वितरण क्षमता में 385 एमवीए की बढ़ोत्तरी हुई हैं। आरडीएसएस के नये ग्रिडों से औद्योगिक क्षेत्र, शहरी क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, कृषि क्षेत्र के लाखों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता के साथ बिजली प्रदाय की जा रही है। इन ग्रिडों का निर्माण आगामी दस वर्षों की विद्युत आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय को दो और विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालन की मिली अनुमति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय भोपाल को केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने दो विषयों डर्मेटोलॉजी एवं कम्युनिटी मेडिसिन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालन की अनुमति प्रदान की है। ज्ञातव्य है कि इससे पहले शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में 7 विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित हैं। महाविद्यालय में प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन, पेडियाट्रिक, सायकियाट्री, फार्मेसी, मटेरिया मेडिका, आर्गेनन ऑफ मेडिसिन एवं रिपर्टरी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूर्व से संचालित हैं। शिक्षण सत्र 2025-26 से त्वचा रोग (डर्मेटोलॉजी) एवं कम्युनिटी मेडिसिन विषयों में भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित होंगे। अब महाविद्यालय को कुल 9 विषयों में स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम संचालन की अनुमति प्राप्त हो गई है। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार के नेतृत्व में आयुष विभाग सतत् गुणवत्तापूर्ण आयुष चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स जर्मनी में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स समर का आयोजन जर्मनी में 27 जुलाई तक किया जा रहा है। राज्य खेल अकादमी से एथेलेटिक्स के 4, फेंसिग के 1 और रोइंग के 2 यानि कुल 7 खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए जर्मनी रवाना हुए। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 जर्मनी में प्रतिभागिता करने वाले खेल अकादमी के खिलाड़ियों में समरदीप सिंह गिल- एथेलेटिक्स शॉटपुट , देव मीणा- एथेलेटिक्स पोल वोल्ट , मंजू यादव- एथेलेटिक्स 3000 मी. स्टेपलचेज, अर्जुन वास्कले- एथेलेटिक्स 1500 मी., शंकर पाण्डेय- फेंसिंग (ईपीईई), प्रयास- रोइंग (कॉक्सलेस पेयर एवं कॉक्सलेस फोर) और राघव- रोइंग (कॉक्सलेस पेयर एवं कॉक्सलेस फोर) शामिल हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स समर में देश का प्रतिनिधित्व करने जा रहे एथेलेटिक्स , फेंसिंग और रोइंग अकादमी के सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रदेश का गौरव बताया।

एफएनएचडब्ल्यू रीजनल वर्कशॉप रांची में मध्यप्रदेश आजीविका मिशन के नवाचारों की सराहना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा रांची में एफएनएचडब्ल्यू के अंतर्गत 14 राज्यों की क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी हर्षिता सिंह ने मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एफएनएचडब्ल्यू अंतर्गत खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिये किये जा रहे नवाचार और विशेष प्रयासों का प्रस्तुतिकरण दिया। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव स्मृति शरण ने मध्यप्रदेश में किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य राज्यों को भी इन्हें अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किये गये नवाचार जिनमें स्वास्थ्य चार्ट, साप्ताहिक पोषण मैन्यू चार्ट, स्वास्थ्य पोषण पुस्तिका एवं पोषण टूल किट, तीनों प्रकार के कैन्सर ओरल, ब्रैस्ट एवं सर्वाइकल पर जागरूकता के लिये बुकलेट का विमोचन किया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत प्रशिक्षणों में आने वाले हितग्राहियों तथा समूहों के माध्यम से ग्रामीण वंचित वर्ग के परिवारों के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता को ध्यान में रख कर विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयूजीकेवाय) एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (आरसेटी) अंतर्गत प्रशिक्षणों को जेण्डर एवं एफएनएचडब्ल्यू उन्मुखी बनाने के लिये समस्त प्रशिक्षणों में स्वास्थ्य जांच, मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता, पौष्टिक आहार का महत्व एवं साप्ताहिक पोषण मैन्यू चार्ट एवं स्वास्थ्य पोषण पुस्तिका भी तैयार की गई है।मध्यप्रदेश में समुदाय-मातृ एवं शिशु कल्याण के लिये एक समुदाय आधारित पहल की गई है जिसके अंतर्गत संस्थागत प्रसव, एनीमिया, सिकलसेल एनीमिया, कुपोषण एवं मासिक धर्म स्वच्छता पर इमर्शन साईट विकास खण्ड के मॉडल सीएलएफ में जागरूकता कार्य के प्रभावों के आंकलन के लिये पोषण टूल किट तैयार की गई है। इस किट के माध्यम से वर्ष में तीन वार प्रारंभिक, मध्य एवं अंत में हितग्राहियों के स्वास्थ्य के आंकडों का संधारण किया जा सकेगा।

सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने मिशन मोड में करें कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम, 2025 एवं राह-वीर योजना के प्रदेश में क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही की मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में एक बैठक में बुधवार को समीक्षा की। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को गोल्डन ऑवर मे इलाज मिल सके, इसके लिए संबंधित-विभाग मिलकर मिशन मोड में कार्य करें। दुर्घटना से होने वाली मृत्यु से लोगों को बचाने के सभी संभव प्रयास किये जाने चाहिये। संभावित दुर्घटना स्थलों को चिन्हांकित कर दुर्घटना के कारणों को दूर किया जाना चाहिये। सड़क

सुरक्षा को मजबूत करने तथा नागरिकों को जागरूक करने का कार्य किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये और परिवहन, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मिलकर संयुक्त रूप से कार्य करें। ऐसा सिस्टम विकसित किया जाए कि नियत समय में कार्य हो सके। उन्होंने विभागों में बेहतर समन्वय तथा योजनाओं से संबंधित सभी-विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में योजना के क्रियान्यन के लिए विभागों के दायित्वों का निर्धारण करने के साथ सुझाव भी लिये गये। अपर मुख्य सचिव जे.एन.कंसोटिया, संजय कुमार शुक्ल, सचिव परिवहन मनीष सिंह, परिवहन आयुक्त तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत एवं पुलिस मुख्यालय के अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

मंत्री टेटवाल से एडीबी प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के दौरे पर आई एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की पोर्टफोलियो प्रबंधन मिशन टीम ने कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल से भेंट कर एडीबी सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति और प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री टेटवाल ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं के कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क की सफलता का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां से प्रशिक्षित युवाओं को देश के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार मिल रहे हैं , जो संस्थान की गुणवत्ता और

अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मंत्री टेटवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एडीबी द्वारा दिए गए सुझावों का गंभीरता से अनुकरण कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

एडीबी मिशन दो दिवसीय प्रवास के दौरान राजधानी भोपाल स्थित एसएसआरजीएसपी का भ्रमण कर संस्थान की आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था, आधारभूत संरचना और नवाचार आधारित कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। टीम के सदस्यों ने प्रशिक्षुओं से सीधा संवाद कर उनके अनुभव जाने और उन्हें उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधियों ने एसएसआरजीएसपी की गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे कौशल विकास के क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल बताया। संस्थान के सीईओ गिरीश शर्मा ने टीम को संस्थान की उपलब्धियों, उद्योग साझेदारी मॉडल, नवाचार आधारित प्रशिक्षण और उच्च प्लेसमेंट दर के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसएसआरजीएसपी कौशल आधारित शिक्षा का एक प्रेरणास्पद मॉडल बन चुका है, जो युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ रहा है।

प्रदेश की जेलों को आधुनिक बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता-राज्य मंत्री श्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि प्रदेश की जेलों को सुधारात्मक सेवाओं की दृष्टि से आधुनिक व मानवीय बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है। बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक विकास के लिए कार्य करना, प्रशासन की जिम्मेदारी है। राज्य मंत्री पटेल जेल मुख्यालय में बुधवार को आयोजित राज्य स्तरीय सुधार समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में महानिदेशक जेल गोविन्द प्रताप सिंह, विशेष महानिदेशक जेल जी. अखेतो सेमा सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। राज्य मंत्री पटेल ने जेल मुख्यालय के राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर इंदौर, जबलपुर, भोपाल, उज्जैन आदि जेलों की कनेक्टिविटी की सराहना की। उन्होंने जेलों में उत्पादित वस्तुओं के विक्रय केंद्र कान्हा एम्पोरियम के जीर्णोधार कार्य का लोकार्पण किया और नवाचार की सराहना की। बैठक में जेल विभाग की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों, चुनौतियों व योजनाओं की विस्तृत जानकारी राज्य मंत्री पटेल को दी गई। राज्य मंत्री पटेल ने जेल विभाग की समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। राज्य मंत्री पटेल ने सुझाव दिया कि जेलों में रामकृष्ण मिशन की पुस्तकें, विवेकानंद साहित्य उपलब्ध कराया जाए एवं ई-लायब्रेरी भी स्थापित की जाए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य सुधार हेतु मनोचिकित्सक की नियुक्ति का आश्वासन भी दिया। महानिदेशक जेल सिंह ने नई रिहाई नीति, समय पूर्व रिहाई तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 473 के तहत बनाई गई नीति की जानकारी दी। इसके अंतर्गत अब तक वर्ष 2024-25 में चार अवसरों पर कुल 471 बंदियों को रिहा किया गया है। गरीब बंदी सहायता योजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को 25 हजार रुपये तक की जुर्माना राशि एवं 40 हजार रुपये तक की जमानत राशि जिला समिति की अनुशंसा पर राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है। अब तक 31 बंदियों को कुल 6.43 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है। इस योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। बजट वर्ष 2024-25 में इस हेतु पाँच करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बंदियों के पुनर्वास व सामाजिक एकीकरण के लिए प्रदेश में 8 खुली जेलें संचालित हैं तथा बैतूल, दमोह, रतलाम व सागर में 20-20 बंदियों की क्षमता वाली नई खुली जेलें प्रस्तावित हैं। बंदियों को रोजगार, पारिवारिक भरण-पोषण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने का यह अभिनव प्रयास है। मध्यप्रदेश सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदीगृह विधेयक 2024 ने पुराने अधिनियमों का स्थान लिया है, जो जेल सुधार की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

शिक्षा में रोजगार के अवसरों पर व्यापक विमर्श के साथ सम्पन्न हुई राष्ट्रीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा और उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार के मार्गदर्शन में उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में विकसित भारत2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षा = रुझान एवं नए अवसर विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला का समापन अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन की उपस्थिति में हुआ। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित हुए। प्रथम सत्र में अभियांत्रिकी तथा तकनीकी, द्वितीय सत्र में प्राकृतिक तथा जीवन विज्ञान, तृतीय सत्र में कौशल एवं रोजगार और चतुर्थ सत्र में सामाजिक विज्ञान एवं प्रबंध विषयों पर व्यापक विमर्श हुआ। प्रथम सत्र में प्रो. सोमित्र सनाढ्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर एवं प्रो.आशीष वर्मा, भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरू ने अपने वक्तव्य में अभियांत्रिकी तथा तकनीकी के संदर्भ में व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। इस सत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर चर्चा हुई। इस सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा साइंस, क्रिप्टोलॉजी एवं सिक्योरिटी, क्वान्टम कंप्यूटेशन, ब्लॉक चैन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, इंटेलीजेंट क्राउड मैनेजमेंट यूजिंग बिग डेटा, एआई एवं एमएल, सस्टेनेबल एवं स्मार्ट मोबिलिटी उप विषयों पर रोजगार आधारित व्यापक विमर्श हुआ।

द्वितीय सत्र में प्रो. गोवर्धन दास, निदेशक, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल, प्रो. सतीश कुमार, निदेशक, राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय भोपाल कैंपस, भोपाल एवं डॉ. बिमलेश मान, सेवानिवृत्त एडीजी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने प्राकृतिक तथा जीवन विज्ञान के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए। यह सत्र पूर्ण रूप से प्राकृतिक एवं जीवन विज्ञान विषय पर केन्द्रित था। इस सत्र में प्रो. गोवर्धन दास ने चिकित्सा तकनीक, ए.आई. पर एवं प्रो. सतीश कुमार ने फॉरेंसिक साइंस में रोजगार की संभावनाओं पर चर्चा की। इस सत्र में एग्रीकल्चर एवं फॉरेस्ट्री, डेयरी टेक्नोलॉजी, फिशियरी साइंस, वेटरनरी साइंस, फूड प्रोसेसिंग, क्वान्टम फिजिक्स, सेमीकंडक्टर, बायोमेडिकल साइंस, एनवायरनमेंटल साइंस एवं फॉरेंसिक साइंस उपविषयों पर रोजगार के अवसरों पर विचार विमर्श हुआ।

तृतीय सत्र कौशल एवं रोजगारपरकता पर केन्द्रित रहा। सत्र में शौर्य संगम ने क्लाउड कम्प्यूटिंग, पी.एन. जुमले ने हैल्थ केयर एवं ऑटोमोबाइल में रोजगार के अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

खरगौन क्षेत्र में 12 कॉलोनियों में 85 मकान खतरे की जद में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खरगौन शहर और आसपास के क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में हुए अवैध निर्माण पर 85 मकान मालिकों को अतिक्रमण हटाने के लिये नोटिस जारी किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि खरगौन में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की 132 के.व्ही. से लेकर 220 के.व्ही. तक की छह प्रमुख ट्रांसमिशन लाइनों के समीप मानव जीवन के लिये घातक और विद्युत सुरक्षा मानकों के विरूद्ध अनाधिकृत निर्माण कर लिये गये है। खरगौन के अनेक क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइनो के प्रतिबंधित सीमा में अनाधिकृत निर्माण किये गये है, जिनमें विद्युत मानकों के अनुरूप न्यूनतम सुरक्षा दूरी का उल्लंघन किया गया है। यहां के ओंकार दत्त रेजिडेंसी, निमरानी, द्वारका धाम कॉलोनी, साकेत नगर, जेतपुरा, यमुना नगर कॉलोनी, खरगोन मोतीपुरा, हिंगलाज नगर, स्मार्ट पार्क टाउनशिप, माँ रेवा विन्यास कॉलोनी, पानवा एवं भीलगांव आदि क्षेत्रों में ट्रांसमिशन लाइन और निर्माण के बीच बेहद कम क्लियरेंस पाया गया है। यह अति उच्च वोल्टेज की बिजली से जुड़े संभावित करंट, स्पार्किंग, और अग्निकांड जैसे गंभीर खतरे उत्पन्न कर सकता है। खरगौन जिले में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की छह ट्रांसमिशन लाइने हैं जिनके समीप विद्युत सुरक्षा मानकों के विरूद्ध निर्माण कर लिये गये हैं। इन ट्रांसमिशन लाइनों में 132 के.व्ही. भीकनगांव-खरगोन डी.पी. लाइन, 132 के.व्ही. बिस्टन-लिलो लाइन, 132 के.व्ही. निमरानी-कसरावद लाइन, 220 के.व्ही. निमरानी-छैःगांव लाइन, 220 के.व्ही. निमरानी-ओंकारेश्वर लाइन एवं 220 के.व्ही. महेश्वर-पीथमपुर लाईन शामिल हैं। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार, 132 के.व्ही. या इससे अधिक वोल्टेज की ट्रांसमिशन लाइन के नीचे कम से कम 27 मीटर की सुरक्षित दूरी आवश्यक है। ताकि हवा में झूलते तारों से संपर्क न हो और दुर्घटना टाली जा सके।

पेसा एक्ट के बेहतर क्रियान्वयन के लिए त्रि-पक्षीय अनुबंध

भोपाल, एजेंसी। पेसा एक्ट के मध्यप्रदेश में बेहतर क्रियान्वयन के लिए त्रि-पक्षीय अनुबंध होगा। अनुबंध सचिव पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक के बीच होगा। कार्यक्रम मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान वाल्मी भोपाल में शाम 4 बजे से होगा। कार्यक्रम में पेसा एक्ट पर बनी पुस्तिका का विमोचन भी किया जाएगा। इस दौरान देशभर से आए पेसा एक्ट पैनलिस्ट, विशेषज्ञों के बीच चर्चा होगी। प्रदेश में पेसा एक्ट के बेहतर क्रियान्वयन, उपनियमों को लागू करना, जनजातीय समुदाय को प्रशिक्षण देना, जनजातीय समुदाय की परंपराओं की रक्षा, नए शोध, जनजातीय कलाओं को सुरक्षित रखे जाने और जनजातीय समुदाय के बीच हो रहे बेहतर कार्यों का प्रचार-प्रसार पर विचार-विमर्श होगा। कार्यक्रम में भारत सरकार के सचिव पंचायती राज मंत्रालय विवेक भारद्वाज, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास दीपाली रस्तोगी एवं संचालक सह आयुक्त पंचायत राज संचालनालय छोटे सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

प्रभारी मंत्री ने की योजनाओं तथा निर्माण कार्यों की समीक्षा

वन विभाग की स्वीकृतियों तथा भू-अर्जन में विभागीय समन्वय से कार्य करें : प्रभारी मंत्री

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता तथा समय-सीमा का पालन करें : प्रभारी मंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल द्वारा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि अधोसंरचना विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। निर्माण कार्यों से संबंधित वन विभाग की स्वीकृतियों तथा भू-अर्जन के प्रकरणों में विभागीय समन्वय स्थापित कर तत्परता से कार्यवाही करें। बैठक में विधायक सीधी रीती पाठक, धौहनी कुंवर सिंह टेकाम तथा सिहावल विश्वामित्र पाठक द्वारा क्षेत्र की समस्याओं के प्रति ध्यान आकृष्ट कराते हुए अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। लोक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रभारी मंत्री ने कार्यपालन यंत्री को कड़े निर्देश दिए है कि एक सप्ताह में वन विभाग की अनुमतियों से जुड़े समस्त प्रकरणों को पोर्टल पर दर्ज कराएं तथा भू-अर्जन के प्रकरणों में भी कार्यवाही कर अवगत कराएं। प्रभारी मंत्री ने मझौली बायपास में आवश्यक मरम्मत कर उसे चलने योग्य बनाने तथा भू-अर्जन में लापरवाही करने वाले उपयंत्री के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। खाम्ह-गिजवार मार्ग में गुणवत्ता विहीन कार्य की जांच कर उसे पुनः सही ढंग से कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभारी मंत्री ने सीधी रिंग रोड, सेमरिया बायपास मार्ग सहित सभी सड़क निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने पीएमजीएसवाय 4 योजना अंतर्गत चिन्हित कार्यों की सूची विधायकगणों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। साथ ही जनप्रतिनिधियों से सूची प्राप्त कर सड़कों का सर्वे कर उन्हें पीएमजीएसवाय तथा सीएमजीएसवाय सड़कों की कार्य योजना में सम्मिलित करने के निर्देश दिए गए हैं। पीएम जनमन योजना तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जो सड़के चिन्हित हैं उनकी वन विभाग संबंधी अनुमतियां प्राथमिकता पर जारी करें। प्रभारी मंत्री ने महखोर तिराहा से टमसार तक के सड़क के मरम्मतीकरण का कार्य प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिए हैं। सेतु निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री सभी निर्माणाधीन पुलों का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने सभी पुलों के एप्रोच रोड के कार्य को प्राथमिकता पर करने हेतु निर्देशित किया है।

प्रभारी मंत्री ने पीआईयू द्वारा अधूरी जानकारी प्रस्तुत करने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया हैं कि उनके द्वारा जिले में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी उन्हें तथा विधायकगणों को दो दिवस के अंदर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री ने भवनों के निर्माण में गुणवत्ता तथा समय-सीमा का पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने जिन भवनों के फिनिशिंग के कार्य अंतिम चरण में हैं उन्हें तत्परता से पूरा कर संबंधित विभाग को हैण्डओवर करने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के स्थानांतरणों की जांच के निर्देश: प्रभारी मंत्री जायसवाल ने स्वास्थ्य विभाग में किए गए स्थानान्तरणों की जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होने निर्देशित किया है कि सक्षम अनुमति के बिना जो भी स्थानान्तरण किए गए हैं उनहे निरस्त करने की कार्यवाही की जाए तथा दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही कर एक सप्ताह में अवगत कराना सुनिश्चित करें। प्रभारी मंत्री ने जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों तथा अन्य सपोर्ट स्टॉफकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होने आउट सोर्स द्वारा की जा रही नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए हैं।

बरगवां में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण में देरी, डेढ़ साल बाद सिर्फ आधा काम हुआ

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बरगवां में स्थित मध्य रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज का निर्माण बहुत ही धीमी गति से हो रहा है। राज्य शासन ने 13 अक्टूबर 2022 को 35.07 करोड़ रुपए की लागत से इस पुल के निर्माण की स्वीकृति दी थी।

24 महीने में पूरा करना था ओवरब्रिज का निर्माण: निर्माण कार्य 22 जून 2023 से शुरू हुआ था। इसे 24 महीने में पूरा किया जाना था। लेकिन डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी केवल 50 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है।

कीचड़ में तब्दील हो जाता है बरगवां बाजार: निर्माण काम की धीमी गति का असर लोगों पर पड़ रहा है। जिला मुख्यालय बैढ़न और देवसर-सीधी की तरफ जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे बरगवां बाजार कीचड़ में तब्दील हो जाता है। दुकानदारों को अपनी दुकानें लगाने के लिए साफ जगह नहीं मिल पा रही है।

व्यापारी बोले-बारिश और कीचड़ से प्रभावित हो रहा व्यापार: स्थानीय व्यापारी राजेश गुप्ता ने कहा कि फिसलन भरी सड़कों पर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़ की समस्या से बचने के लिए लोग जरूरी काम होने पर ही बाजार आ रहे हैं, जिससे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। बरगवां में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण में देरी से हमें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आप नेता रतीभान साकेत ने कहा कि पुल निर्माण से जाम की समस्या से निजात मिलने की उम्मीद थी, लेकिन निर्माण कार्य की धीमी गति ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं।

सुमित खटवानी एवं पवन सेवानी ने किया 1 लाख प्लेटलेट्स डोनेट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समाजसेवी सुमित खटवानी जी एवं पवन सेवानी जी ने सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी एवं सहयोगी हीरू सेवानी रोहित आडवाणी के अनुरोध पर बिरला अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद को पॉजिटिव प्लेटलेटस की आवश्यकता पड़ने पर 50+50 हजार प्लेटलेटस डोनेट कर मानवता की सेवा की। संस्था के मीडिया प्रभारी अमित कामरानी ने जानकारी देते हुए बताया संस्था द्वारा अभी तक 40 यूनिट प्लेटलेट्स यानी (20 लाख प्लेटलेट्स) एवं 6655 यूनिट ब्लड डोनेट करवा चुकी हैं। प्लेटलेटस डोनेट करवाने में, रोहित आडवानी, हीरू सेवानी एवं डॉ. आलोक जी का विशेष सहयोग रहा । पवन एवं सुमित के प्लेटलेट्स डोनेट करने पर संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी श्रीचंद मनवानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी इंद्रलाल आडवाणी श्रीचंद शीतलानी घनश्याम मंघरानी संजय वाधवानी महेश रावलानी गंगाराम सचदेव दिलीप सोनी अमित कामरानी, रंजीत सेनानी जितेंद्र गावरी बसंत खत्री अशोक चांदवानी दीपक वाधवानी केशव मखीजा मनीष टेकवानी पंकज आहूजा मनीष सदानी बंटी भोजवानी सहयोगी मनमोहन माहेश्वरी, विभाष बनर्जी आशीष मोगिया, बसंत शर्मा निक्की मनचंदानी विशाल राजपाल विकास सुखेजा संजय आहूजा महिला मंडल से मोना चोपड़ा राखी होतचंदानी डॉ. मनीषा सोई आर्य खिलवानी मुस्कान चंदानी सिमरन होतचंदानी निशा गोयल रशिम जैन आभा सिंह कशिश नागदेव जया खंडेलवाल ने सुमित एवं पवन को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

दो ट्रेलर टकराए, आधा घंटा फंसा रहा ड्राइवर

ड्राइवर के दोनों पैर तीन जगह से फ्रैक्चर,दूसरा ड्राइवर वाहन छोड़कर भाग गया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के विंध्य नगर थाना क्षेत्र में जयंत चौकी के पास कोयला लदे दो ट्रेलर आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रेलर के सामने का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस कारण उसका ड्राइवर बोनट वाले हिस्से में फंस गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से ट्रेलर का हिस्सा काटकर उसे बाहर निकाला गया।

हादसे में ट्रेलर ड्राइवर के दोनों पैर तीन जगह से फ्रैक्चर हुए हैं। हालांकि, ड्राइवर ने हिम्मत नहीं हारी। लगभग आधे घंटे से अधिक समय तक वह फंसा रहा। इस दौरान चालक बाहर खड़े लोगों से बातचीत करता रहा। उन्हें यह भी बताता रहा कि उसका पैर कहां फंसा है।

जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार ने बताया कि जय शाकंभरी माता कंपनी और रितेश ब्रदर कंपनी के दो ट्रेलरों में टक्कर की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस को मौके पर भेजा गया। ड्राइवर बृजेंद्र ट्रेलर के बोनट वाले हिस्से में फंसा हुआ था। उसे रेस्क्यू कर जिला अस्पताल भेजा गया है। घटना का कारण दोनों ट्रेलरों की अनियंत्रित गति बताई जा रही है। वहीं दूसरा ड्राइवर ट्रेलर वाहन छोड़कर भाग गया।

बम्हनी में प्रभारी मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल द्वारा जिले में प्रवास के दौरान शासकीय विद्यालय बम्हनी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उनके साथ विधायक सीधी रीती पाठक, धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, सिहावल विश्वामित्र पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, देव कुमार सिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने फलदार पौधों को रोपित किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक पेड मां के नाम अभियान के माध्यम से इसे जन आंदोलन बनाने का काम किया है। पेड़ हमारे जीवन रक्षक है। उन्होने लोगों से इस अभियान में सहभागिता का आहवान करते हुए कहा कि सभी लोग अपने आसपास पौधे अवश्य लगाएं तथा उनके वृक्ष बनने तक उनका पोषण और सुरक्षा करें। एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण ही भावी पीढ़ी के लिए सच्ची भेंट होगी। इस अवसर पर कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह सहित अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

मृत बच्ची को नहीं मिला शव वाहन, परिजन दो घंटे होते रहे परेशान

लोगों ने चंदा जुटाकर ऑटो से पहुंचाया घर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सेमरिया स्वास्थ्य केंद्र में 13 वर्षीय बच्ची की मौत के बाद अस्पताल में परिजन शव वाहन के लिए भटकते रहे। इसके बाद लोगों ने चंदा जोड़कर शव को घर पहुंचाने में मदद की। बुधवार रात कुशमहर गांव की 13 वर्षीय रुबी सिंह गोंड को करीब रात 3 बजे सोते समय सांप ने उसे काट लिया। बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे सुबह 10 बजे के करीब सेमरिया स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रुबी की स्थिति नाजुक हो चुकी थी। कुछ ही समय में उसकी मौत हो गई।

दो घंटे परेशान हुए परिजन: इसके बाद परिवार को अस्पताल में शव वाहन नहीं था। इसके चलते परिजन घंटों तक अस्पताल प्रशासन से मदद की गुहार लगाते रहे। कोई सहायता नहीं मिली। दो घंटे तक यहां वहां भटकने के बाद लोगों ने चंदा इकट्ठा कर शव घर भेजने की व्यवस्था की।

चंदा इकट्ठा कर शव भेजा: समाजसेवी प्रभात वर्मा ने आगे बढ़कर ग्रामीणों से चंदा इकट्ठा किया। एक ऑटो किराए पर लेकर बच्ची के शव को उसके गांव भेजा गया। इस पर उन्होंने कहा है कि यह घटना स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियों को उजागर करती है। परिजनों के घंटों अस्पताल में रहने के बावजूद प्रशासन तक सूचना नहीं पहुंची। यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है।

सीएमएचओ बोले- सूचना मिलती तो व्यवस्था करते: सीएमएचओ डॉ. बबीता खरे ने कहा कि घटना देर रात की है। बच्ची को देर से अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि सेमरिया अस्पताल में शव वाहन नहीं है। यदि सूचना दी गई होती तो सीधी से वाहन की व्यवस्था की जा सकती थी।

डीपीसी कार्यालय में घुसा हिरण का शावक

कर्मचारियों ने पकड़ा, शरीर पर चोट के निशान; वन विभाग एक घंटे तक नहीं पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के डीपीसी कार्यालय में गुरुवार सुबह हिरण का छोटा शावक बैठा मिला। दरअसल, कार्यालय का ताला खोलते ही कर्मचारियों को अंदर हिरण प्रजाति का एक घुटरी (शावक) मिला। वे पहले तो देखकर डर गए, लेकिन फिर सभी ने मिलकर जानवर को पकड़ लिया और रस्सी से बांध दिया।

शरीर पर चोट के कई निशान दिखे: कर्मचारियों ने देखा कि जानवर के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। उन्होंने वन विभाग को तुरंत सूचना दी। हालांकि, एक घंटे बीत जाने के बाद भी वन विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। इस दौरान कुछ लोगों ने कार्यालय में मौजूद जंगली जानवर का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में शहडोल रेंजर आर एन विश्वकर्मा से संपर्क करने का कोशिश की गई। हालांकि उन्होंने बात नहीं की।

जिले में औसत वर्षा 780.7 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 24 जुलाई को सीधी जिले में 10.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 2.5 मि.मी., चुरहट 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 2.6 मि.मी., सिहावल में 32.6 मि.मी., बहरी में 2.0 मि.मी., मझौली में 23.0 मि.मी. और कुसमी में 13.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

मझरेटी दुर्घटना में मृतक बच्चों के परिजनों से प्रभारी मंत्री ने व्यक्त की शोक संवेदना

प्रभारी मंत्री ने दुर्घटना पीड़ितों को दी आठ लाख रुपये की सहायता राशि के स्वीकृति पत्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम मझरेटी में गत 12 जुलाई को दर्दनाक दुर्घटना में ग्राम कुचवाही के निवासी अखिलेश गुप्ता के दो नाबालिक बच्चों प्रीतम गुप्ता उम्र 14 वर्ष एवं नितीश गुप्ता उम्र 9 वर्ष की पानी में डूबने से असमय मृत्यु हो गई। सीधी प्रवास के दौरान प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने कुचवाही जाकर शोक संतप्त परिजनों से भेंट की तथा अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। प्रभारी मंत्री ने आरबीसी 6 (4)के तहत 8 लाख रूपये आर्थिक सहायता का स्वीकृत पत्र भी प्रदान किए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस दुःखद दुर्घटना से मन आहत है। असमय अपने परिजनों के खोने के कष्ट को समझना आसान नहीं है। अल्प आयु में मासूम बच्चों को खोना अत्यन्त ही कष्टदायी है। उन्होने दिवंगत बच्चों की आत्मा को चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

उनके साथ विधायक सीधी रीती पाठक, सिहावल विश्वामित्र पाठक, धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, देव कुमार सिंह चौहान ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव सहित उपस्थित अधिकारियों ने भी श्रृद्धासुमन अर्पित किए तथा शोक संतप्त परिजनों को ढाढस बधाया।

मुख्यमंत्री ने किया नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा के पोस्टर का विमोचन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मप्र जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को परिषद के नवाचारी कार्यक्रम नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा के पोस्टर का समत्व भवन में विमोचन करते हुए इस प्रदेश व्यापी अभियान में सम्मिलित नवांकुर सखियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण में उनकी सतत और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की है। अभियान का प्रमुख उददेश्य नारी शक्ति के माध्यम से स्वैच्छिकता के आधार पर पर्यावरण संरक्षण करना है। उल्लेखनीय है कि परिषद द्वारा प्रदेश के 313 विकासखंडों के 1565 सेक्टरों में हरियाली अमावस्या 24 जुलाई से आगामी 05 दिवसों तक नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन के अंतर्गत प्रत्येक सेक्टर में 100 महिलाएं नवांकुर सखी के रूप में पंजीकृत की गई हैं। ये नवांकुर सखियां 11 बीज रोपित एवं अंकुरित पौध रोपित थैलियों के माध्यम से अपने घर की बगिया में पौधे विकसित करेंगी। मप्र जन अभियान परिषद की इस नवाचारी पहल से प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में 5500 पौधे तैयार होंगे। 1,56,500 नवांकुर सखियों द्वारा संपूर्ण

प्रदेश में 17,21,500 पौधे तैयार होंगे। विकसित पौधों को रोपण लायक होने की स्थिति में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान में शासकीय या निजी भूमि में परिवार महत्व के अवसरों पर रोपित किया जायेगा। ये पौधे एक पेड़ मॉ के नाम अभियान में आगामी वर्षों में रोपित होंगे। पोस्टर विमोचन समारोह में परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़ सहित परिषद के अधिकारीगण उपस्थित थे।

संपादकीय

अंतिम एकादश चुनने में गलती तो नहीं कर रहा भारत

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा कई विवादों व चर्चाओं को जन्म दे रहा है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत की टीम 2-1 से पिछड़ गई है। बाकी के दो टेस्ट मैच में क्या अपनी टीम वापसी कर पाएगी, यह एक बड़ा सवाल है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। कोई कुछ कह रहा है तो कोई कुछ। हेड कोच गौतम गंभीर भी निशाने पर हैं। कहा जा रहा है कि उनकी वजह से ही रोहित शर्मा और विराट कोहली को जल्द संन्यास लेने का ऐलान करना पड़ा। यदि ये दोनों टीम में होते तो इंग्लैंड दौरे में हमारी दशा कुछ बेहतर होती। रोहित तो नहीं लेकिन विराट की कमी वास्तव में महसूस की जा रही है। मैदान पर उनका आक्रामक अंदाज विरोधी टीम के हौसले पस्त करने के लिए काफी होता है। खैर, अब जब वह टीम में नहीं है तो इस बात को यहीं विराम देते हुए अन्य बातों पर चर्चा करते हैं। कप्तान शुभमन गिल ने दूसरे टेस्ट में जबर्दस्त बल्लेबाजी करके सबका दिल जीत लिया। एजबेस्टन का यह टेस्ट भारत 336 रनों से जीत भी गया। जीतने के बाद टीम की कई कमियां छुप जाती हैं। मुख्य गेदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना भारत ने इंग्लैंड को इतने बड़े अंतर से पराजित कर दिया। संयोग देखिए कि बुमराह अभी तक जिन दो टेस्ट मैचों में खेले उसमें भारत हार गया। लाड्र्स टेस्ट में पराजय के बाद भारतीय टीम की खूब आलोचना हो रही है। दरअसल, यह मैच भारत को जीतना चाहिए था। 193 का लक्ष्य बहुत मुश्किल नहीं था लेकिन हमारे बल्लेबाजों ने मानसिक दृढ़ता नहीं दिखाई। यह कमजोरी बहुत भारी पड़ी। विदेशी दौरों में भारत ने पहले भी बहुत कम अंतर से मैच गंवाए हैं। चौथे दिन शुरुआत खराब रही। चार विकेट गिरने से टीम इंडिया गहरे दबाव में आ गई। इससे उबरने का कोई तरीका उनके पास नहीं था। कप्तान गिल का खुद सस्ते में आउट हो जाना आत्मघाती साबित हुआ। ऐसे मौके पर मैच के अंतिम दिन रवींद्र जडेजा ने साहसिक पारी खेली लेकिन उनकी कोशिश नाकाम रही। 22 रन से मैच हारने पर सभी को पीड़ा हुई। जडेजा का साथ देने के लिए पुछल्ले बल्लेबाज बुमराह और सिराज बचे थे। इन्होंने भरसक प्रयास भी किया, मगर जीत इंग्लैंड के नाम लिखी थी। इसीलिए इस खेल में भाग्य का बड़ा योगदान माना जाता है। किस्मत ने भारत का साथ नहीं दिया। वर्ना भारत 2-1 से आगे होता। हमारी टीम अंग्रेजों को कड़ी टक्कर तो दे रही है, पर नतीजा अपने पक्ष में नहीं कर पा रही है। इंग्लैंड टीम अपनी धरती पर खेल रही है। इसका लाभ उसे मिल रहा है। एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतिम एकादश चुनने में कहीं भारत से गलती तो नहीं हो रही है? बल्लेबाजी मजबूत करने के चक्कर में हम एक विशेषज्ञ गेंदबाज को बाहर बैठाए हुए हैं। मैं कुलदीप यादव की बात कर रहा हूं। कुलदीप का हालिया प्रदर्शन काफी बढ़िया रहा है। इंग्लैंड दौरे के लिए उनका चयन भी इसी वजह से हुआ। मगर, अंतिम एकादश में उनके लिए जगह नहीं बन रही। स्पिन गेंदबाज के तौर पर जडेजा और यहां तक कि वाशिंगटन सुंदर को उन पर तरजीह दी गई। जबकि हम देख रहे हैं कि जडेजा विकेट लेने में असफल साबित हो रहे हैं। वह बल्लेबाजी के दम पर टीम में बने हुए हैं। कुलदीप एक विशेषज्ञ स्पिनर है। इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में कुलदीप कारगर साबित होते। 2021 के इंग्लैंड दौरे में भी हमने अपने मुख्य स्पिन गेंदबाज अश्विन को बाहर बैठाए रखा। उन्हें किसी भी मैच में नहीं उतारा गया। यही हाल अब कुलदीप यादव के साथ हो रहा है। लगता है, वह बिना कोई मैच खेले स्वदेश लौट आएंगे। करूण नायर को लेकर खूब चर्चा हो रही है। अब तक की छह पारियों में उनका प्रदर्शन दमदार नहीं रहा है। उनके बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला। आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने के बाद देश ने नायर से बहुत उम्मीद लगाई थी। पर, वह इस पर खरे नहीं उतरे हैं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आने वाले को ठोस पारी खेल कर टीम को मजबूती देनी चाहिए। नायर को अब और मौका दिया जाए या उनकी जगह युवा साई सुदर्शन को लाया जाए?

मांसाहारी खाने पर जारी सेक्युलर सियासी खेल के साइड इफेक्ट्स को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

सनातनी हिंदुओं के पवित्र श्रावण यानी सावन के महीने में या आश्विन माह में पड़ने वाले शारदीय नवरात्र के दिनों में पिछले कुछ वर्षों से नॉन-वेज फूड को लेकर जो विवाद सामने आ रहे हैं, वह इस बार भी प्रकट हुए और पक्ष-विपक्ष की क्षुद्र राजनीति के बीच अपनी नीतिगत महा खो बैठे। वहीं, तथाकथित एनडीए शासित राज्य की बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में गत सोमवार को खाने में जिस तरह से नॉन-वेज भी परोसा गया, उसे लेकर सा पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खिंच गई हैं। इसी तरह, यूपी में कांवड़ यात्रा मार्ग स्थित ढाबों और भोजनालयों पर दुकान मालिकों की पहचान स्पष्ट करने का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में उठा।

स्पष्ट है कि यहां भी मूल में भोजन ही है। इसलिए पुन: यह सवाल अप्रासंगिक है कि कोई क्या खाता है, क्या नहीं, यह पूरी तरह व्यक्तिगत मामला है और इस पर ऐसे विवाद से बचा जा सकता था। लेकिन ऐसे सो कॉल्ड सेक्यूलर्स और वेस्टर्न लॉ एडवोकेट्स को पता होना चाहिए कि सदियों से भारतीय समाज एक संवेदनशील व सुसंस्कृत समाज रहा है, जहां स्पष्ट मान्यता है कि खान-पान से व्यक्ति के मन का सीधा सम्बन्ध होता है।

कहा भी गया है कि जैसा खाए अन्न, वैसा बने मन। इसलिए राजा या शासक का कर्तव्य है कि वह आमलोगों को शुद्ध और सुरुचिपूर्ण भोजन ग्रहण करने योग्य कानून बनाए और उसकी सतत निगरानी रखे। चूंकि भारतीय समाज में शाकाहारी खानपान को प्रधानता दी गई है ताकि निरोगी जीवन का आनंद लिया जा सके। इसलिए ऐसे लोगों को अभक्ष्य पदार्थों यानी अंडे, मांस-मछली का दुर्गंध नहीं मिले, इसकी भी निगरानी रखना प्रशासन का काम है।

वहीं, खान-पान के व्यवसाय से जुड़ी कम्पनियां शाकाहारी लोगों को मांसाहारी उत्पाद डिलीवर न कर दें, मिलावटी शाकाहारी समान न डिलीवरी कर दें, यह देखना भी प्रशासन का ही धर्म है। यदि वह धर्मनिरपेक्षता की आड़ में अपने नैतिक दायित्वों से मुंह मोडता है तो उसे भारत पर शासन करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इसलिए देश की भाजपा नीत एनडीए सरकार, या विभिन्न राज्यों की भाजपा सरकारें या एनडीए सरकारें इस बात की कोशिश कर रही हैं कि खास पर्व-त्यौहारों पर निरामिष लोगों के अनुकूल माहौल बनाए रखा जाए। आमतौर पर यह माना जाता है कि इस्लामिक शासनकाल में और ब्रिटिश शासनकाल में सनातन भूमि पर गुरुकुल, ब्रह्मचर्य व शाकाहार को हतोत्साहित किया गया और मांसाहार तथा मद्यपान को प्रोत्साहित किया गया। जिससे कई सामाजिक कुरूतियों जैसे कोठा संस्कृति वाली वैश्यावृत्ति और अनैतिक अपराध को बढ़ावा मिला। ऐसा इसलिए कि दूषित अन्न खाने व दूषित पेय-पदार्थ पीने से मानवीय मनोवृत्ति विकृत हुई। इसलिए कहा जा सकता है कि उदार और सहनशील भारतीय समाज का जो नैतिक पतन हुआ है, कभी-कभी स्थिति पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों के काबू से बाहर हो जाती है, उसका सीधा सम्बन्ध असामाजिक तत्वों के खानपान से भी है। इसलिए इस अहम मुद्दे के सभी पहलुओं पर निष्पक्षता पूर्वक विचार होना चाहिए। इस मामले में आधुनिक प्रशासन का ट्रैक रिकार्ड बेहद ही खराब रहा है, अन्यथा जानलेवा मिलावट खोरी इतनी ज्यादा नहीं पाई जाती। मीडिया रिपोर्ट्स भी इसी बात की चुगली करती आई हैं। जहां तक व्यक्तिगत चुनाव की बात है तो यह अपने घर पर ही लागू हो सकते हैं, सार्वजनिक जगहों पर बिल्कुल नही। इस बात में कोई दो राय नहीं कि खाने-पीने की पसंद किसी व्यक्ति की पहचान और उसकी संस्कृति का हिस्सा होती है। इसलिए भारत में जैसी विविधता पूर्ण संस्कृति रहती आई है, वैसे ही यहां के खाने में भी विविधता सर्वस्वीकार्य है। इसलिए किसी को क्या खाना चाहिए, इसकी पुलिसिंग होनी चाहिए या नहीं, विवाद का विषय है।

कहना न होगा कि जैसे कानून किसी को भी जहर खाने की इजाजत नहीं देता है, वैसे ही मीठे जहर के रूप में प्रचलित बाजारू चीजों की भी जांच-पड़ताल की जानी चाहिए और यदि वे जनस्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूल हों तो उनपे निर्विवाद रूप से रोक भी लगनी चाहिए। यही बात मांसाहार पर भी लागू होनी चाहिए, क्योंकि इससे मानवीय शरीर में विभिन्न प्रकार के संक्रामक रोगाणुओं को भी बढ़ावा मिलता है। बर्ड फ्लू इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। कुछ लोग बताते हैं कि लोगों के खानपान की पुलिसिया निगरानी या ऐसी कोई भी कोशिश संविधान के उस अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगी, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। इसलिए भोजन और पहनावा भी इसी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है। लेकिन यह सिर्फ घर के चहारदीवारी के भीतर होनी चाहिए, वो भी तभी तक जब तक कि पड़ोसी को आपत्ति नहीं हो। ऐसा इसलिए कि आधुनिक फ्लैट संस्कृति में एक घर के रसोई की सुगंध या दुर्गंध पड़ोसियों के बेडरूम तक पहुंच जाती हैं। इसलिए भोजन निजी पसंद की चीज है, लेकिन बगलगीर की भावनाओं का सम्मान करना भी मांसाहारियों की नैतिक जिम्मेदारी है, क्योंकि कुछ शाकाहारी लोग तो दुर्गंध मात्र से उल्टी कर बैठते हैं। इससे उनका जीवन भी खतरे में आ जाता है। इसलिए यह राजनीतिक विवाद का विषय नहीं, बल्कि सियासी सूझबूझ का परिचायक समझा जा सकता है। भारतीय राजनीति की एक सबसे बड़ी कमी यह महसूस की जाती है कि हमारी कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को जनहितैषी बनाने में यह विगत सात-आठ दशकों में भी शत-प्रतिशत क्या, पचास प्रतिशत भी सफल नहीं हुई है। लोकतंत्र और पाश्चात्य लोकतांत्रिक मूल्यों, जिस खुद पश्चिमी देश अपनी सुविधा के अनुसार चलते हैं, भारत में आँखमूद कर लागू कर दिए जाते हैं। इसलिए व्यापक जनहित का सवाल व्यवहारिक रूप से काफी पीछे छूट जाता है। हालांकि इसके बाद भी सावन में पिछले कुछ वर्षों से नॉन-वेज फूड को लेकर विवाद खड़े होते रहे हैं। देखा जाए तो ज्यादातर के मूल में राजनीति होती है। बिहार में दो साल पहले भी सावन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी के घर जाकर मटन पकाना एक सियासी मुद्दा बन गया था। कुछ दिनों पहले, जब प्रशांत किशोर की पार्टी में बिरयानी बंटी, तब भी हंगामा हुआ और सफाई देनी पड़ी कि यह तो वेज थी ! यही वजह है कि खानपान को लेकर नीतिगत संतुलन की जरूरत सबको है। इसलिए आस्था को भोजन के साथ मिलाने पर जो समस्या खड़ी होती है, वैसी ही समस्या इसकी अनदेखी के पश्चात भी खड़ी होती बताई जाती है। चूंकि दोनों ही निजी मामले हैं और दोनों में ही किसी को दखल देने का हक नहीं है। हां, यह जरूर है कि जब बात किसी खास आयोजन या धार्मिक अवसर पर किसी समुदाय की भावनाओं से जुड़ी हो, तो वहां सभी पक्षों के संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन की जरूरत पड़ती है। ऐसा ही होता भी आया है। वहीं, भोजन किसी व्यक्ति की गरिमा का सवाल भी है। असल में, भोजन केवल भूख से नहीं, व्यक्ति की गरिमा से भी जुड़ा होता है। यह सम्मान के साथ कमाने और खाने का हक इस देश के सभी नागरिकों को देता है। किसी भी वजह से इन हकों को छीनने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस किस-किस की पैरवी करेगी

योगेंद्र योगी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुरुआती चार्जशीट दायर करने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर वाड्रा को जानबूझ कर परेशान करने का आरोप लगाया। भ्रष्टाचार के मामलों में कांग्रेस की हालत इतनी दयनीय हो चुकी है कि राहुल के इस आरोप के चंद दिनों बाद ही ईडी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने भूपेश बघेल के आवास सहित कई स्थानों पर छापेमारी की और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। यह घोटाला 2019-2022 के दौरान लगभग 2161 करोड़ रुपए की अवैध वसूली से जुड़ा है। सवाल यह है कि राहुल, सोनिया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे आखिरकार किस-किस कांग्रेस के नेता के भ्रष्टाचार के लिए केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों को दुर्भावना की कार्रवाई के लिए जिम्मेदार ठहराएंगे। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुरुआती चार्जशीट दायर की। इस मामले में ईडी की तरफ से 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले पर लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मेरे जीजाजी को पिछले 10 सालों से इस सरकार की तरफ से परेशान किया जा रहा है। यह आरोपपत्र है, उसी षडयंत्र का ही एक और हिस्सा हैं। रॉबर्ड वाड्रा के खिलाफ ये चार्जशीट शिखोपुर लैंड डील मामले में पेश की गई है। ईडी के मुताबिक वाड्रा ने यहां 3.53 एकड़ महज 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी, जिसे कुछ ही समय बाद वाड्रा ने 58 करोड़ रुपये में बेच दिया था। अपने जीजाजी की पैरवी करने से पहले राहुल गांधी शायद यह भूल गए कि सोनिया गांधी और खुद उन पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर मामले चल रहे हैं। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर चुकी है। नेशनल हेराल्ड मामला कांग्रेस के शासनकाल में शुरू हुआ था। ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी आरोपी नंबर 1 और राहुल गांधी आरोपी नंबर 2 हैं। आरोप पत्र में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। राहुल गांधी को वाड्रा के मामले में साजिश नजर आती है। लेकिन दूसरे घोटालों के मामलों में कांग्रेस भ्रष्टाचार के मामलों में की चुप्पी साबित करती है कि कांग्रेस अपने अतीत को दोहरा रही है। केंद्र में कांग्रेस की सरकार नहीं हैं, लेकिन जिन गिने-चुने राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां से भ्रष्टाचार की सूचनाएं आती रहती हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने कोलार-चिक्काबल्लापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (कोमूल) की 2023 भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के संबंध में कर्नाटक कांग्रेस विधायक केवाई नानजेगौड़ा की 1.32 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। कोलार जिले के मालूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले नानजेगौड़ा, कोमुल के अध्यक्ष भी हैं।

ईडी के अनुसार कोमुल द्वारा आयोजित भर्ती प्रक्रिया में एक लिखित परीक्षा और एक साक्षात्कार शामिल था, लेकिन पैसे और राजनीतिक सिफारिशों के बदले में इसमें हेरफेर किया गया था। संघीय एजेंसी ने आरोप लगाया कि नांजेगौड़ा की अध्यक्षता वाली भर्ती समिति ने कोमूल के प्रबंध निदेशक के.एन. गोपाल मूर्ति के साथ मिलकर अन्य निदेशकों के साथ मिलकर कुछ कम योग्य उम्मीदवारों को लाभ पहुंचाया, जबकि योग्य उम्मीदवारों को वंचित रखा।

कांग्रेस की हालत यह हो गई कि वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और पूर्व अध्यक्ष तक भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में रहे हैं। कर्नाटक में खडगे के बेटे राहुल खडगे के नेतृत्व वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को आवंटिक एक जमीन में हेरफेर का आरोप लगाया गया था। कर्नाटक में यदि भाजपा की सरकार होती तो खडगे के खिलाफ भी भ्रष्टाचार का मामला दर्ज हो जाता। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने संदिग्ध परिस्थितियों में खडगे के परिवार द्वारा संचालित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को 5 एकड़ जमीन आवंटित थी। दिलचस्प बात यह है कि 5 एकड़ जमीन (खडगे परिवार द्वारा चलाए जा रहे ट्रस्ट को) इलाके में अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं के लिए नियम तैयार करने के कुछ दिनों भीतर दी गई थी। इस मामले का खुलासा होने के बाद खडगे बैकफुट पर आ गए थे। खडगे परिवार के स्वामित्व वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट ने विवादास्पद स्थल को वापस करके भ्रष्टाचार से मुक्त होने का प्रयास किया।

कांग्रेस जिन भी राज्यों में सत्ता में रही है, उनमें से ऐसा एक भी राज्य नहीं जिनमें मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर भ्रष्टाचार-घोटालों के आरोप नहीं लगे हों। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस में गांधी परिवार खडगे सहित अन्य नेता भाजपा पर दुर्भावना से कार्रवाई का आरोप लगाते रहे हैं, किन्तु अदालतों में चल रहे इनके खिलाफ मामलों में यह दुर्भावना अभी तक साबित नहीं कर सके। चर्चित घोटालों और घपलों में अदालतों से किसी को क्लीन चिट नहीं मिल सकी। सवाल यह भी है कि आखिर कांग्रेस का दामन इतना ही पाक साफ है तो ईडी और अन्य एजेंसियों के आरोपों को अदालतों से मुक्ति क्यों नहीं मिल सकी। कांग्रेस सहित 14 राजनीतिक दलों को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार कर दिया था। शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि नेताओं को विशेष इम्यूनिटी नहीं दी जा सकती। नेताओं के भी आम नागरिकों जैसे अधिकार हैं। अगर सामान्य गाइडलाइन जारी की तो ये खतरनाक प्रस्ताव होगा। नेताओं की गिरफ्तारी पर अलग से गाइडलाइन नहीं हो सकती। इस टिप्पणी के बाद यह याचिका वापस ले ली गई। निरन्तर भ्रष्टाचार के आरोपों को झेल रही कांग्रेस और विपक्षी दलों को यह बात शायद अभी तक समझ नहीं आई कि जब तक भ्रष्टाचार पर जीरा टॉलरेंस की नीति नहीं अपनाएंगे, तब तक देश के मतदाताओं से खोया हुआ विश्वास फिर से हासिल नहीं कर पाएंगे।

कस्टडी में मौत, थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी दोषी

हाईकोर्ट बोला-रक्षक ही भक्षक बन जाए तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा, उम्रकैद घटाकर 10 साल की सजा

मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि हिरासत में मौत केवल कानून का उल्लंघन नहीं है। बल्कि, यह लोकतंत्र और मानव अधिकारों पर गहरा आघात है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो यह समाज के लिए गंभीर खतरा है। इस टिप्पणी के साथ ही जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस दीपक कुमार तिवारी ने दोषी थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों की उम्रकैद की सजा को घटाकर 10 वर्ष के कठोर कारावास में बदल दिया। साथ ही, कोर्ट ने हिरासत में मौत को गैरइरादतन हत्या का मामला माना है। पूरा मामला जांजगीर-चांपा जिले के मुलमुला थाने का है, जहां पुलिस कस्टडी में युवक की मौत हो गई थी। दरअसल, साल 2016 में ग्राम नरियरा निवासी सतीश नोरगे को शराब पीकर हंगामा करने के आरोप में मुलमुला थाना पुलिस ने हिरासत में लिया था। जिसके कुछ घंटों बाद ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद लोगों ने जमकर हंगामा मचाया और दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर की मांग की।

विरोध-प्रदर्शन और आंदोलन के बाद जब शव का पोस्टमार्टम कराया गया, तब रिपोर्ट में युवक के शरीर पर 26 जगह चोट के निशान मिले। लिहाजा, इस मामले में थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह राजपूत, कांस्टेबल सुनील ध्रुव, दिलहरण मिरी और सैनिक राजेश कुमार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया।

स्पेशल कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा: पुलिस ने थाना प्रभारी सहित सभी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जिसके बाद कोर्ट में चार्जशीट पेश किया। ट्रायल के बाद स्पेशल कोर्ट एट्रोसिटी ने साल 2019 में सभी आरोपियों को दोषी ठहराया। साथ ही सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई। जिसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी। वहीं, मृतक की पत्नी ने इसका विरोध करते हुए हस्तक्षेप आवेदन लगाया था।

हाईकोर्ट ने माना हत्या की मंशा नहीं थी, इसलिए राहत: हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए यह पाया कि आरोपियों की हत्या की मंशा स्पष्ट नहीं थी। लेकिन, आरोपी जानते थे कि पीटने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसके चलते हाईकोर्ट ने आरोपियों को आंशिक रूप से राहत देते हुए हत्या की सजा को धारा 304 भाग-1 के तहत गैर इरादतन हत्या माना और सजा को उम्र कैद से घटाकर 10 साल के कठोर कारावास में बदल दिया है।

एससी-एसटी एक्ट से भी राहत मिली: हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि पुलिस अधिकारी यह जानते थे कि मृतक अनुसूचित जाति से है। इस आधार पर हाई कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट की धाराएं हटाते हुए थाना प्रभारी को इस आरोप से बरी कर दिया गया।

जानिए हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब क्या होगा: बता दें कि थाना प्रभारी सहित चारों दोषी पुलिसकर्मी जेल में सजा काट रहे हैं। इस लिहाज से आरोपियों की सजा की गिनती होगी। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद आरोपियों को बची हुई सजा काटनी होगी। डिवीजन बेंच ने फैसले की प्रति जेल अधीक्षक भेजने का आदेश दिया है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा है। बता दें कि थाना प्रभारी सहित सभी आरोपी पुलिसकर्मी साल 2016 से जेल में बंद हैं। हाईकोर्ट के फैसले के आधार पर उनकी सजा की गिनती की जाएगी। दस साल में बची हुई सजा उन्हें जेल में काटनी होगी।

बाइक समेत नदी में गिरे 2 युवक, एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

मीडिया ऑडिटर, सरगुजा (निप्र)। जिले के घुनघुट्टा नदी में बुधवार की शाम बाइक सवार दो युवक बेकाबू होकर सीधे नदी में जा गिरे। एक युवक का शव गुरुवार की दोपहर नदी में तैरता मिला। सूचना पर दरिमा पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। दूसरे साथी की तलाश की जा रही है। घटना स्थल से एक जोड़ी जूते के साथ एक जोड़ी चप्पल भी मिला है। मामला दरिमा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि घुनघुट्टा नदी में एक युवक की लाश तैर रही है। दरिमा पुलिस और गोताखोरों की मदद से युवक के शव को बाहर निकाला गया। नदी में एक बाइक और एक जोड़ी जूते व एक जोड़ी चप्पल मिला। युवक की शिनाख्त पलगड़ी निवासी हिमांशु (20) के रूप में हुई। पुलिस ने तत्काल युवक के परिजनों को मौके पर बुलाया है।

बहे दूसरे युवक की तलाश, नहीं मिला सुराग: दरिमा थाना प्रभारी भरत लाल साहू ने बताया कि मृत युवक की शिनाख्त कर ली गई है। उसके परिजनों ने बताया कि हिमांशु अपने साथी कार्तिकेय के साथ बुधवार की शाम पांच बजे घर से कलगसा जाना बताकर बाइक से निकला था। जहां शव मिला है, वह स्थल बहने के स्थान से करीब आधा किलोमीटर दूर है। दोनों युवक तेज रफ्तार से घुनघुट्टा नदी के मोड़ पर पहुंचे और वे बाइक को नियंत्रित नहीं कर सके। बाइक सवार दोनों युवक सीधे कई फुट नीचे बाइक सहित घुनघुट्टा नदी में जा गिरे। घटनास्थल पर बाइक से झाड़ियों को हुआ नुकसान भी दिखाई दे रहा है।

रायगढ़ में मनाया गया हरेली त्योहार, गेड़ी चढ़े लोग

मीडिया ऑडिटर, रायगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हरेली पर्व को परंपरागत श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। जिले के कई गांवों में यह पर्व एक दिन पहले मनाया गया, जबकि कुछ स्थानों पर आज विधिवत आयोजन हुए। हरेली को हरियाली और समृद्धि का प्रतीक पर्व माना जाता है, जो हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस पर्व को लेकर सामूहिक पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक आयोजनों का आयोजन होता है।

ग्राम देवताओं का जलाभिषेक, गेड़ी पर चढ़कर बच्चों ने जताई खुशी: रायगढ़ के बोईरदादर में हरेली पर्व के अवसर पर देवालय के पुजारी द्वारा ग्राम देवता ठाकुरदेव, मां मानकेसरी और मां समलाई का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर पूजा की गई। इसके बाद विनोबा नगर और बोईरदादर से आए श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पूजा अर्चना कर अपने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान वॉर्ड के बच्चों और युवाओं ने गेड़ी चढ़कर हरेली पर्व की खुशियां मनाईं।

कृषि औजारों की विधिपूर्वक पूजा: हरेली पर्व की एक खास परंपरा के तहत किसानों द्वारा अपने कृषि औजारों जैसे कुदाली, फावड़ा, गैंती और हल की विधिवत पूजा की गई। किसान इस पर्व को जुताई, बोवाई और रोपाई के कामों के बाद विश्राम और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में मनाते हैं। जिले के कई गांवों में बुधवार को भी हरेली पर्व मनाया गया, जिसमें ग्रामीणों ने परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया।

समीक्षा बैठक में सीएम साय को बताया प्लान

इस बार बरसात में नक्सलियों को खत्म करने के लिए चलेगा ऑपरेशन मानसून

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। इस बार बरसात में नक्सलियों को खत्म करने के लिए ऑपरेशन मानसून चलाया जाएगा। इसमें धुर नक्सली क्षेत्रों में फोर्स का ऑपरेशन जारी रहेगा। यह बातें बुधवार को मंत्रालय में हुई गृह विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बताई गईं। बैठक में गृह मंत्री विजय शर्मा, डीजीपी अरुणदेव गौतम, सीएम के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह और सचिव राहुल भगत भी मौजूद रहे। इसके साथ ही बस्तर से विवेकानंद सिन्हा और पी सुंदरराज ऑनलाइन जुड़े थे। उन्होंने सीएम को नक्सल ऑपरेशन की जानकारी दी। साथ ही बताया कि कितने गांव नक्सल मुक्त किए जा चुके हैं और अगले कुछ दिनों में कहां-कहां नक्सलियों को लेकर ऑपरेशन चलाया जाएगा।

इसके साथ ही नक्सलियों की मुखबिरी करने वाले ग्रामीणों को जिस तरह से टारगेट बनाया जा रहा है, उन्हें सुरक्षा कैसे दी जाएगी। इसका प्लान भी बताया। मानसून में क्या समस्याएं आ रही हैं और उनसे कैसे निपटा जाए, इस पर भी चर्चा की गई। गृह मंत्री ने अब तक बचे इनामी नक्सलियों के बारे में भी जानकारी ली। इस गोपनीय बैठक में पुलिस के कई अधिकारियों को शामिल नहीं किया गया। बताया जा रहा है कि इस गोपनीय बैठक के बाद एक बड़ा नक्सल ऑपरेशन जल्द ही हो सकता है।

वीआईपी पर खतरा हो सकता है, इसलिए सुरक्षा की समीक्षा: बैठक में इंटेलिजेंस की चर्चा के दौरान वीआईपी की सुरक्षा की समीक्षा की गई। नए कानून पर प्रदेश में क्या-क्या किया जा रहा है और कहां बदलाव की जरूरत है, यह जानकारी भी सीएम ने ली। इसके अलावा पुलिस वेलफेयर के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट ली गई। पुलिस को मॉडनाइज करने के लिए किन-किन इक्युपमेंट की आवश्यकता है और उसके लिए कितना बजट चाहिए, इस पर भी बात हुई। पुलिस इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने के लिए नए प्लान बनाने की जिम्मेदारी डीजीपी को दी गई।

पुलिस में 7 हजार से अधिक भर्ती: पुलिस को रिस्ट्रक्चर करने का प्लान भी सीएम के साथ साझा किया गया। बताया गया कि आने वाले दिनों में 7 हजार से अधिक फोर्स की भर्ती की जाएगी। इसमें 5 हजार आरक्षक, 1 हजार आईआरबी और 1 हजार बस्तर फाइटर की भर्ती की जाएगी।

आदिवासी छात्र को स्कूल से निकाला

प्रिंसिपल ने कहा- स्टाफ की बेटी के साथ था प्रेम संबंध, अब कर रहा मजदूरी

मीडिया ऑडिटर, कोंडागांव (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में एक आदिवासी छात्र को स्कूल से निकाला दिया गया है। ऐसे में वह अब मजदूरी कर रहा है। प्रिंसिपल का कहना है कि उसका स्टाफ की बेटी से प्रेम संबंध थे। डीईओ ने मामले में जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की बात कही है। यह मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रांधना का है।

जानकारी के मुताबिक, छात्र 12वीं कक्षा में कॉमर्स विषय से पढ़ाई कर रहा था। उसने 11वीं में 79.60 प्रतिशत अंक मिले थे। एक सप्ताह पहले स्कूल प्रबंधन ने छात्र को टीसी देकर बाहर कर दिया है। अब वह स्कूल की बजाय गांव में मजदूरी कर रहा है।

इस मामले में सरपंच पति सुकमन मरकाम ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इसमें स्कूल प्रबंधन की पूरी लापरवाही है। छात्र के भविष्य से खिलवाड़ किया गया। मामला कोई भी हो, पहले पंचायत को जानकारी देना जरूरी था। हमें तब जानकारी मिली, जब छात्र मजदूरी करने लगा।

स्टाफ के परिवार की ओर से बनाया जा रहा था दवाब: प्रिंसिपल एलआर कश्यप ने कहा कि, छात्र होनहार था, लेकिन स्कूल के ही एक स्टाफ की बेटी से उसके प्रेम संबंध थे। स्टाफ के परिवार की ओर से लगातार दबाव बन रहा था कि छात्र को स्कूल से निकाला जाए। हमने स्टाफ मीटिंग में चर्चा के बाद टीसी दे दी, ताकि वह किसी अन्य स्कूल में दाखिला ले सके।

शिक्षकों की प्रताड़ना झेल रहा था- छात्र: निकाले गए छात्र का आरोप है कि वह दो साल से लगातार शिक्षकों की प्रताड़ना झेल रहा था। उसने कहा कि, "मैंने कोई अनुशासनहीनता नहीं की। पढ़ाई में अच्छा था। फिर भी मुझे निशाना बनाया गया।" शिक्षा सत्र शुरू होने के एक महीने के भीतर ही छात्र स्कूल से बाहर हो गया। कहीं दाखिला न मिलने और टीसी मिल जाने के कारण उसने अब गांव में मजदूरी शुरू कर दी है।

टीचरों से भरी विंगर गाड़ी और ट्रेलर की टक्कर, 2 मौत

दो महिला शिक्षिकाओं की गई जान, स्टूडेंट समेत 7 गंभीर घायल

मीडिया ऑडिटर, कोरबा (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में गुरुवार को ट्रेलर और विंगर गाड़ी की टक्कर हो गई। हादसे में विंगर सवार 2 महिला टीचर की मौत हो गई। जबकि स्टूडेंट सहित 7 अन्य टीचर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह घटना कटघोरा थाना क्षेत्र में तानाखार मुख्य मार्ग की है। जानकारी के मुताबिक टीचर, दो बच्चे समेत 13 लोग गाड़ी में सवार होकर कटघोरा से उपरोड़ा एकलव्य स्कूल के लिए निकले थे। तभी उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई और 30 वर्षीय मंजू शर्मा और 34 वर्षीय अंजना शर्मा की मौत हो गई। जो कि दिल्ली और हरियाणा की रहने वाली थीं।

सभी घायल हरियाणा, दिल्ली और केरल के रहने वाले: जबकि घायलों में अभय श्रीवास्तव, देवराज प्रजापति, राहुल तंवर, गायत्री पीवी, दीपंकर दास, शुभ्रा चौबे, रिया सोलंकी, रूपिका शर्मा, छात्र निखिल यादव और 12 वर्षीय छात्र रुचिका चटर्जी शामिल हैं। सभी शिक्षकों की उम्र 30-35 बताई जा रही है। जो कि हरियाणा, दिल्ली और केरल के रहने वाले हैं।

5 घायलों को बिलासपुर रेफर किया गया: इधर, घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां से 5 घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। बाकी घायलों को इलाज जारी है।

ट्रेलर ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था: प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रेलर ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था, तभी टक्कर हो गई। कटघोरा पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह भी बात सामने आई है कि सभी टीचर किराए पर गाड़ी लेकर स्कूल आते-जाते थे।

पति ने पत्नी और बेटी के साथ की मारपीट, सास-ससुर समेत आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, कोरबा (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक शिक्षिका के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पारिवारिक विवाद के चलते पति ने पत्नी और बेटी के साथ मारपीट की है। घटना 20 जुलाई की है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह मामला बालको थाना क्षेत्र के शांति नगर का है। मिली जानकारी के मुताबिक, 37 वर्षीय पीड़िता वर्ग 3 शिक्षाकर्मी हैं। वह गायत्री मंदिर रोड पर अपने दो बेटी और एक बेटे के साथ अलग रहती हैं। पीड़िता का पति से 2021 में पारिवारिक विवाद हुआ था। तब से वह अलग रह रही हैं। वह कभी-कभी बच्चों को पिता से मिलाने या घरेलू काम से पति के घर जाती थीं।

बच्चों के साथ पति के घर गई थी पीड़िता: पीड़िता का आरोप है कि पति शांति कुमार कश्यप (39) उन्हें साथ रखने को तैयार नहीं है। घर जाने पर अक्सर बेवजह विवाद और लड़ाई-झगड़ा करता है। घटना वाले दिन भी सुबह 11:30 बजे पीड़िता अपने बच्चों के साथ पति के घर गई थीं। शांति कुमार कश्यप उस समय बालको प्लांट में ड्यूटी पर था। यह भी आरोप है कि घर पहुंचने पर सास मालती कश्यप और ससुर रघुनाथ कश्यप ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब पति घर पहुंचा था, तो उसने पत्नी साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान बच्चे 'मम्मी को मत मारो' चिल्लाते रहे। लेकिन पिता का दिल नहीं पसीजा।

सीतापुर विधायक ने शुरू की 400 किमी की कांवड़ यात्रा

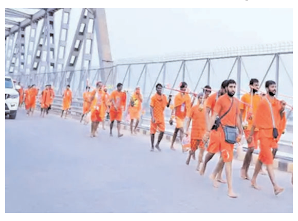

मीडिया ऑडिटर, सरगुजा (निप्र)। अंबिकापुर के सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने अपने 120 साथियों के साथ गुरुवार को वाराणसी से 400 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा शुरू की है। विधायक के साथ कांवड़िए गुरुवार सुबह गंगाजल लेकर वाराणसी से निकले हैं। वे 12 दिनों बाद मैनपाट के चोरकीपानी शिव मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो का वाराणसी से कांवर यात्रा का यह लगातार चौथा साल है। विधायक राम कुमार टोप्पो और 120 अन्य कांवड़िए एक दिन पहले वाराणसी पहुंचे थे। सभी ने गुरुवार सुबह गंगास्नान किया और बाबा विश्वनाथ के दर्शन के बाद अस्सी घाट से गंगाजल लेकर कांवर यात्रा की शुरुआत की।

दिनभर यात्रा, रात में करेंगे विश्राम: विधायक और कांवड़ियों की यह कांवर यात्रा 12 दिनों में पूरी होगी। विधायक और अन्य कांवड़िए दिन में पैदल चलेंगे और रात में विश्राम करेंगे। एक दिन में दल करीब 35 से 40 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। कांवरियों के साथ विधायक के भोजन की व्यवस्था होगी। विश्राम की जगह भी पहले ही निर्धारित कर दी गई है।

कांवड़ियों में उत्साह: पूर्व सैनिक से विधायक बने रामकुमार टोप्पो के साथ युवाओं की टीम कांवड़ यात्रा पर निकली है। गत वर्ष 60 लोग कांवड़ यात्रा में शामिल हुए थे। इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 120 हो गई है। कांवड़ियों का जगह-जगह स्वागत भी किया जाएगा। इस साल विधायक रामकुमार टोप्पो अपने दल के साथ पौधे भी लेकर चल रहे हैं। दल का जहां पड़ाव होगा, वहां वे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी करेंगे। विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि यह यात्रा अपने सीतापुर क्षेत्र की खुशहाली के लिए किया जाता रहा है। चोरकीपानी शिव मंदिर में वे जलाभिषेक करते हैं, जहां लोगों की आस्था जुड़ी है।

बच्चे फर्राटे से बोलते हैं गीता के श्लोक, 5-13 साल के बच्चों को कंठस्थ; भगवद् गीता की शिक्षा दे रहा गीता परिवार

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर की रहने वाली कक्षा तीसरी में पढ़ने वाली 7 साल की श्रीनिधि को भगवद् गीता के कई श्लोक कंठस्थ याद हैं। वो फर्राटे से श्लोक बिना देखे ही बोल देती है। श्रीनिधि 'लर्न गीता' केंद्र से जुड़ी है जहां बच्चों को गीता का पाठ पढ़ाया जाता है। रायपुर के मोवा में गीता परिवार 'लर्न गीता' कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को भगवद् गीता की शिक्षा दे रहा है। बाद में 5 अलग-अलग विषयों में उनकी परीक्षा भी ली जाती है।

पढ़कर जीवन में भी उतार रहे: यहां पढ़ने वाले बच्चे एक साल में गीता के 12वें, 15वें और 16वें अध्याय के 85 से ज्यादा श्लोक याद कर चुके हैं और पूरे 18 अध्याय के 700 श्लोक याद करने में लगे हैं। ऐसा नहीं है कि वे सिर्फ श्लोक याद कर रहे हैं, इसे अपने जीवन में उतार रहे हैं। बच्चे इसकी नियमित शिक्षा लेने पहुंच रहे हैं।

अनाथालय में पढ़ाया जा रहा गीता का पाठ: मोवा में बच्चों को गीता की शिक्षा दे रहीं 65 साल की संगीता पांडेय बताती हैं कि एक साल पहले 1 बच्चे से इसकी शुरुआत हुई थी। आज 5 से 13 साल तक के 22 बच्चे हैं। रायपुर के अशोका हाइट्स सोसाइटी, रोहणीपुरम में रोजाना और गुढ़ियारी स्कूल, डागा कॉलेज के अनाथालय में हफ्ते में एक दिन गीता का पाठ पढ़ाया जा रहा है।

योग-ध्यान के साथ सुनाई जाती है कहानी भी: गीता परिवार छत्तीसगढ़ के 'लर्न गीता' कार्यक्रम के माध्यम से बाल संस्कार केंद्र के तहत बच्चों को भगवद् गीता की शिक्षा दे रही हैं। संगीता पांडेय बताती हैं कि करीब पांच साल पहले कोरोना के दौरान इसकी शुरुआत प्रदेश में हुई थी। बच्चों को अध्यात्म से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इससे लगातार बच्चे जुड़ते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 40 मिनट की कक्षा होती है। यहां आने वालों में डॉक्टर, इंजीनियर, बिजनेसमैन के बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा बच्चों को बुधवार को योग-ध्यान और शुक्रवार को कहानी सुनाई जाती है। इसमें अध्यात्म और महापुरुषों से जुड़ी कहानियां होती हैं।

बच्चों को देनी पड़ती है पांच परीक्षाएं: भगवद गीता का ज्ञान ले रहे बच्चों को गीता गुंजन, गीता जिज्ञासु, गीता पाठक, गीता पथिक और गीता व्रती की परीक्षाएं देनी पड़ती हैं। गीता पथिक में पूरा श्लोक याद कर शंकराचार्य के सामने परीक्षा देनी होती है। अशोका हाइट्स सोसाइटी में चल रही कक्षा के 7 बच्चों ने हाल ही में गीता जिज्ञासु की परीक्षा दी है। पांडेय कहती हैं कि स्कूलों में भी बच्चों को गीता का पाठ नियमित पढ़ाना चाहिए। इसके लिए सरकार को पहल करने की जरूरत है।

नर्मदापुर युवा मंडल सदस्यों ने 150 फिट लंबे तिरंगे को अपने हाथों में थामकर मनाया तिरंगा उत्सव

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुर युवा मंडल द्वारा हमारे देश की आन बान शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का जन्मदिन (अंगीकरण दिवस) मंगलवार को माँ नर्मदा के तट स्थित विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट पर मनाया गया। इस दौरान 150 फिट लंबा तिरंगा हाथों में रखकर यह उत्सव मनाया गया। इस तिरंगा जन्मदिवस कार्यक्रम में समेरिटेंस स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस दौरान भारत माता के जयकारों से सेठानी घाट गूंज उठा। इस दौरान मिष्ठान का वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक मनीष परदेशी ने बताया कि 22 जुलाई 1947 को हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को संवैधानिक मान्यता मिली थी। इस दिन को नर्मदापुर युवा मंडल उत्सव के रूप में मनाता है। पूरे देश में नर्मदापुरम ही ऐसा शहर है जहाँ तिरंगे का जन्मदिन मनाया जाता है। पिछले 14 वर्षों से लगातार नर्मदापुर युवा मंडल यह कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नपाध्यक्ष नीतू यादव, नर्मदापुर युवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में नर्मदापुर युवा मंडल के डॉ. उमेश सेठा, दीपक हेमनानी, नंदकिशोर यादव, मुकेश यादव, रुपेश राजपूत, केएन त्रिपाठी, उदित द्विवेदी, विशाल दीवान, हरी शर्मा, सुचित्रा यादव, सुमित गौर, अमित तिवारी, कमल चव्हाण, सुंदरम अग्रवाल, अनिल आर्य, राजेश रैकबार, मोनू ठाकुर, शशिकांत तिवारी, पंकज साहू, संजय रायकबार, गौरव सेठ, हरी सेवरिया, श्रीराम सगर, राजेश व्यास, राजू आसरे, राकेश सराठे, इमरान खान, शेरसिंह बरकुड़, जसवीर सिंह, प्रशांत कन्नौजिया, नर्मदा साहू, राजेश मांझी, सौरभ मेहरा, आशीष वर्मा, देवेंद्र राठौर, दयानन्द पचौरी, सुनील कुशवाहा, रोहित शर्मा, सुरेंद्र चौहान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में हुई 85 आवेदनों पर सुनवाई

नर्मदापुरम (एजेंसी)। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के दूरदराज अंचलों से आए आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा सराफ ने 85 आवेदनकर्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानी और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए।

जिला मुख्यालय के साथ ही तहसील एवं ग्राम पंचायतों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मेढ-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, भूमि विवाद, प्रधानमंत्री आवास, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। मंगलवार को जनसुनवाई में आई छोटी बाई मीना निवासी ग्राम कोंडरवाड़ा जिला नर्मदापुरम ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया के वह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद से 31 अक्टूबर 2023 सेवा नेतृत्व हुई थी। उन्हें शासन द्वारा सेवानिवृत्ति पश्चात मिलने वाली राशि प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने शीघ्र राशि प्रदान कराने हेतु आवेदन दिया। जिस पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा सराफ ने संबंधित अधिकारी को मामले को गंभीरता से जांच कर सहायता प्रदान करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार मुर्गीढाना तहसील बनखेड़ी निवासी कृषिका मंगलो बाई ने बताया के उन्हे किसान सम्मान निधि कि राशि प्राप्त नही हो रही हैं जिस पर श्रीमति सराफ ने बनखेड़ी के पटवारी राकेश मरकाम को निर्देशित किया गया कि आवेदनकर्ता की भूमि रिकॉर्ड का परीक्षण कर शीघ्र ही नियमानुसार योजना का लाभ उपलब्ध कराए जाने की कार्यवाही पूरी की जाए। एक अन्य मामले में निवासी ग्राम सामनापुर तहसील बनखेड़ी, श्री तुलसीराम पटेल ने बताया कि मूंग कि फसल का पंजीयन करवाने के पश्चात भी स्लॉट बुक नहीं हो रहा हैं, जिससे उन्हे मूंग विक्रय मे समास्या आ रही है। जिस पर श्री रावत ने कृषि विभाग के अधिकारी को स्लॉट बूकिंग मे आने वाली समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत, अनु-विभागीय अधिकारी नीता कोरी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर जैन व एसपी चौकसे ने खेड़ा में वेयर हाउस का किया निरीक्षण

हरदा (एजेंसी)। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन एवं एसपी श्री अभिनव चौकसे ने बुधवार को ग्राम खेड़ा स्थित वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए गए कि यदि किसी किसान की उपज अमानक स्तर की है तो उसे तत्काल अवगत कराएं तथा उसका वीडियो अनिवार्य रूप से बनाए एवं रिकॉर्ड में रखें। उन्होंने वेयरहाउस प्रबंधक को निर्देश दिया कि अनाज खरीदी के समय सभी का वीडियो अनिवार्य रूप से बनाएं। निरीक्षण के दौरान जिला विपण अधिकारी योगेश मालवीय, उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे, सहायक आयुक्त सहकारिता वासुदेव भदोरिया, एसडीएम कुमार शानु देवड़िया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रिमझिम बारिश के बीच ढोल की थाप पर नाचते जयकारे लगाते भक्त, पूरी कर रहे नागद्वारी यात्रा

नर्मदापुरम (एजेंसी)। पचमढ़ी की वादियाँ इस समय श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से सराबोर हैं। नागद्वारी मेले के चौथे दिन तक लगभग सवा लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। रिमझिम बारिश, ढोल की थाप, जयकारों की गूंज और भक्तों के उत्साह से संपूर्ण पचमढ़ी क्षेत्र तथा मेला मार्ग भक्तिमय हो उठा है। प्रतिदिन भारी संख्या में श्रद्वालू दर्शन हेतु पहुँच रहे हैं।

अतिरिक्त दण्डाधिकारी नर्मदापुरम श्री डीके सिंह, सचिव महादेव मेला समिति श्रीमति अनीशा श्रीवास्तव द्वारा काजरी का दौरा किया गया जिसमें प्लास्टिक, पालिथीन का इस्तेमाल, गीला एवं सूखा कचरा अलग अलग रखने हेतु दुकानदारों को समझाईस दी गई। मेला क्षेत्र में रखी पानी की टंकियों को टेंकर से भरवाने के निर्देश उपस्थित सेक्टर अधिकारियों को दिये गये, जिससे भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आबकारी विभाग द्वारा गठित दलों ने बडा महादेव, गुप्त महादेव, डीपी एरिया, पहली पायरी, जलगली, नागफनी, काला झाड, भजिया गिरी, फॉरेस्ट नाका, नालंदा पुरम पर गश्त कर कार्यवाही कर 47 लीटर हाथ भटटी कच्ची शराब जब्त की गई। मेला क्षेत्र में आबकारी विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही हैं परिवहन विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए बिना परिमट वाहनों पर रू0 10,000/- की चालनी कार्यवाही की गई एवं ओवर लोडिंग चल रहे वाहनों की चेकिंग भी निरंतर की जा रही है।

15 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक विशेष पंजीकरण अभियान के तहत

नर्मदापुरम (एजेंसी)। कलेक्टर सोनिया मीना के मार्गदर्शन में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वूमेन नर्मदापुरम के माध्यम से परियोजना इटारसी एवं सेक्टर पथरोटा विकासखंड केसला में आउटरीच गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 15 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलाए जा रहे विशेष पंजीकरण अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इटारसी की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सेक्टर पथरोटा की आंगनबाडी कार्यर्कर्ता और हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रीमती सीमा मेहरा, सहायक निर्देशिका आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केंद्र पवारखेड़ा ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 2.0 एवं मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित महिला हेल्पलाइन नंबर 181, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी दी गई। श्री हेमंत पंथी, जिला समन्वयक ने पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के लिए संचालित योजनाओं की मॉनिटरिंग के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती दीप्ति शुक्ला और सेक्टर पर्यवेक्षक भी उपस्थित रहे।

03 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम (एजेंसी)। लोक सभा सांसद की अनुशंसा पर कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा सांसद निधि से 02 निर्माण कार्यो के लिए कुल 03 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कायालर्य नर्मदापुरम से प्राप्त जानकारी के अनुसार सांसद दर्शन सिंह चौधरी की अनुशंसा पर नर्मदापुरम के ग्राम पलासडोह में शहीद धमेन्द्र मेहरा के स्मारक के पास सार्वजनिक कवर्ड बैठक स्थल निर्माण के लिए 01 लाख 50 हजार रूपये एवं विकासखंड नर्मदापुरम के ग्राम पथौडी में दुर्गा मंदिर के पास सार्वजनिक कवर्ड बैठक स्थल पर छत निर्माण के लिए 01 लाख 50 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

06 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम (एजेंसी)। विधायक नर्मदापुरम की अनुशंसा पर कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा विधायक निधि से 03 निर्माण कार्यो के लिए कुल 06 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कायालर्य नर्मदपुरम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक नर्मदापुरम, डॉ सीतासरन शर्मा की अनुशंसा पर जनपद पंचायत नर्मदापुरम के ग्राम पंचायत मेहरागांव की संई कालोनी, न्यूयार्ड में पार्क निर्माण के लिए 02 लाख रूपये, जनपद पंचायत नर्मदापुरम के ग्राम बम्हनगांव खुर्द में हनुमान मंदिर के पास पुलिया निर्माण के लिए 01 लाख 50 हजार रूपये एवं जनपद पंचायत नर्मदापुरम के ग्राम सोनासांवरी के वार्ड क्रं 16 में छोटू की चक्की से दरबार पटेल के घर की ओर सीसी रोड निर्माण के लिए 02 लाख 50 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

अधिकारी और कर्मचारी सक्षम अनुमति लेकर ही हेडक्वार्टर से बाहर जाएं - कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि वह निर्धारित समय पर कार्यालय आए और जिले से बाहर जाने से पूर्व सक्षम अनुमति लेकर ही जाएं। सक्षम अनुमति लेकर ही हेडक्वार्टर छोड़ें। कमिश्नर श्री तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अधिक से अधिक भ्रमण करें। भ्रमण के दौरान स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र स्वास्थ्य विभाग या अन्य कार्यालय में जाकर निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें। निरीक्षण के पश्चात निरीक्षण पंजी में संपूर्ण टिप विस्तार से लिखें और अपने हस्ताक्षर भी करें। श्री तिवारी ने लोक निर्माण विभाग के ए सी को निर्देशित किया कि वह पचमढ़ी के शासकीय आवास में रहने वाले अनाधिकृत लोगों जैसे रिटायरमेंट के बाद रहने वाले एवं अन्यत्र स्थानांतरित होने के बाद भी तथा बिना सक्षम अनुमति के शासकीय आवास में रहने वालों से तत्काल शासकीय आवास खाली कराए एवं उनके अनाधिकृत रूप से रहने की अवधि का शासन के नियम अनुसार राशि अभिरोपित कर जुर्माना लगाकर राशि शासकीय हित में शासकीय कोष में जमा कराए। कमिश्नर ने इस बात पर सख्त नाराजगी व्यक्त की की शासकीय आवास में रहने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी स्थानांतरण होने के पश्चात भी शासकीय आवास की चाबी लोक निर्माण विभाग को दिए बिना चले जाते हैं। तत संबंध में उन्होंने निर्देशित किया कि जिन विभागों से अधिकारी एवं कर्मचारियों को एनओसी लेनी होती है वह विभाग इस बात को संज्ञान में अवश्य लें कि अधिकारी ने चाबी लोक निर्माण विभाग को सौंप दी हैं।

कमिश्नर श्री तिवारी ने जिला पेंशन अधिकारी को निर्देश दिए की जिन विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी का पेंशन प्रकरण लंबित है उन अधिकारी एवं कर्मचारियों की सूची संबंधित विभाग के अधिकारी को देवे। जिससे अधिकारी एवं कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण प्राथमिकता से बनाएं जा सके। कमिश्नर ने ई ऑफिस सिस्टम में आ रही अक्षरों की त्रुटि पर सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अक्षरों की त्रुटियों को सुधारने के लिए रिमेंटन सीबीआई फोंट पर कार्य करें।

इससे अक्षरों की त्रुटि समाप्त हो जाएगी। कमिश्नर ने सभी अधिकारियों का निर्देश दिए कि वह यह सुनिश्चित करें कि उनके कार्यालय निर्धारित समय पर खुलें, स्कूल में सभी शिक्षक और बच्चे निर्धारित समय पर पहुंचे।

कमिश्नर श्री तिवारी ने संभावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ के संबंध में सभी संभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की कि वह भी निरंतर भ्रमण कर अपने कार्यालय की स्थिति का आकलन करें यदि कार्यालय जर्जर अवस्था में है तो उसे डिस्मेंटल करने की कार्रवाई भी करें। कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग एवं सेतु विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये की पुल पूलियो पर चेतावनी एवं सांकेतिक बोर्ड अवश्य लगाए। कमिश्नर ने संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग को भी निर्देश दिए कि वह आंगनबाड़ी केंद्रो की स्थिति का निरीक्षण अवश्य कर लें यदि आंगनबाड़ी केंद्र जर्जर है तो उसके डिस्मेंटल की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अतिवृष्टि एवं बाढ़ से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए सभी विभाग को तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए और कहां की स्वास्थ्य विभाग अपने अस्पतालों में 24 घंटे आपात चिकित्सा व्यवस्था सुचारू रूप से रखें। चिकित्सक, स्टाफ एवं दवाईयां की उपलब्धता रहे। कमिश्नर श्री तिवारी ने अधिकारी एवं कर्मचारियों की पदोन्नति के संबंध में सभी तैयारियां तैयार रखने एवं ग्रेडेशन लिस्ट तैयार करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। संभागीय समय सीमा की बैठक में उपायुक्त राजस्व श्री गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर सहित सभी संबंधित

अवैध मत्स्याखेट पर मछली पालन विभाग की बड़ी कार्रवाई

नर्मदापुरम (एजेंसी)। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार मछली पालन विभाग की गठित टीम द्वारा अवैध मत्स्याखेट एवं मत्स्य परिवहन पर सख्त कार्रवाई की गई। गत दिवस सोहागपुर मछली मार्केट, नर्मदापुरम बंगाली कॉलोनी एवं ग्राम डोंगरवाड़ा क्षेत्रों में की गई छापामार कार्रवाई में लगभग 500 किलोग्राम मछली जब्त की गई। जब्त की गई मछली की नीलामी कर 10 हज़ार 600 रुपए (दस हजार छह सौ रुपये) शासन के खाते में चालान के माध्यम से जमा किए गए। साथ ही विभाग द्वारा क्षेत्र में सक्रिय सभी मत्स्याखेट एवं मत्स्य परिवहनकर्ताओं को प्रशासन द्वारा जारी बंद ऋतु (1 जुलाई से 31 अगस्त) में अवैध मत्स्याखेट पर प्रतिबंध संबंधी अधिसूचना की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम 1981 की धारा-5 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

24 एवं 25 जुलाई को किया जाएगा रोजगार कैंप का आयोजन

नर्मदापुरम (एजेंसी)। मध्यप्रदेश शासन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग एवं तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा निजि क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 24 जुलाई 2025 को माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय महाविद्यालय माखन नगर एवं 25 जुलाई 2025 को शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया में रोजगार कैंप का आयोजन किया जाएगा। मेले के दौरान ट्राइडेंट, वर्धमान, पुखराज, शिव शक्ति बायोटेक, भारतीय जीवन बीमा निगम, जेड प्लस अकैडमी जैसी कंपनियां आयेंगी।

नर्मदापुरम जिले में दस्तक अभियान का हुआ आगाज

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम जिले में दस्तक अभियान का आगाज हो गया है। इस अभियान का उद्घाटन जिला अस्पताल में नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव और पार्षद रोहित गौर द्वारा बच्चों को विटामिन ए पिलाकर किया गया। अभियान के पहले दिन 2800 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिले के सभी विकास खंडों में संस्था प्रभारी और जनप्रतिनिधि द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों पर हितग्राहियों को विटामिन ए और आयरन सिरप पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचायें और 25 हजार रूपये पायें

हरदा (एजेंसी)। सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मृत्युदर में कमी लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गत केबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार 'राह-वीर' योजना शुरू की गई है। योजना की गाईड लाईन जारी कर दी गई है। गाईड लाईन के अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन आवर अर्थात दुर्घटना से एक घंटे के भीतर का समय में अस्पताल पहुंचाने वाले 'राह वीर' को 25 हजार रूपये की नगद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जायेगा। इसके साथ ही चुने हुए 'राह-वीरों' में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जायेंगे। कोई भी व्यक्ति जो मोटर यान सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल या ट्रामा केयर सेंटर तत्परता से पहुँचाकर जान बचाता है ऐसे सभी व्यक्ति 'राह-वीर' योजना के लिए पात्र होंगे। गोल्डन ऑवर अर्थात दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है। कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसकी प्रति संबंधित 'राह-वीर' को भी भेजी जाएगी। मूल्यांकन समिति में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, एसएसपी, सीएमएचओ, आरटीओ शामिल होंगे। ये समिति मासिक आधार पर प्रस्तावों की समीक्षा कर उन्हें मंजूरी देगी। चुने हुए राह वीर को राज्य परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि का अंतरण किया जाएगा। राज्य स्तर पर इसकी निगरानी के लिए प्रमुख सचिव, गृह की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाएगी। जो हर तीन महीने में योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। योजना 21 अप्रैल 2025 से प्रभावशील है। 'राह-वीर' की जानकारी केवल अवार्ड प्रदाय के लिए उपयोग की जाएगी, अन्य किसी कार्य के लिए नहीं। एक 'राह-वीर' को वर्षभर में अधिकतम 5 प्रकरणों में अवार्ड दिया जा सकेगा। इस योजना के तहत दिए जाने वाले सम्मान की राशि परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी।

संजीवनी क्लिनिक में एक दिवसीय महिला स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

हरदा (एजेंसी)। हरदा शहरी क्षेत्र में नवीन मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक विकासनगर वार्ड क्रमांक 34 तथा बैरागढ़ स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक में गुरूवार को एक दिवसीय महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 66 महिलाओं हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि विकास नगर स्थित संजीवनी क्लिनिक में डॉ. मंजूषा पराते ने हितग्राहियों का नि:शुल्क परीक्षण किया। इस दौरान उन्होने कुल 31 महिला हितग्राहियों का स्वास्थ परीक्षण किया। इस दौरान उन्होने 7 एएनसी का परीक्षण भी किया गया। इसी बैरागढ़ स्थित संजीवनी क्लिनिक में डॉ. यामिनी मानकर ने कुल 35 महिला हितग्राहियों का स्वास्थ परीक्षण किया। इस दौरान उन्होने 3 एएनसी का परीक्षण भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आईएसएल इसी प्रकार स्थागित रहा तो फुटबॉल पीछे चला जाएगा : छेत्री

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री का मानना है कि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित बने रहने से देश में फुटबॉल को नुकसान होगा। छेत्री के अनुसार इससे खिलाड़ियों में संशय के हालात हैं। इससे प्रशंसकों में भी कई आशंकाएं हैं। छेत्री इस लीग में बेंगलुरु एफसी की ओर से खेलते हैंऔर अनका कहना है कि कई लोगों ने उनसे संपर्क कर देश में फुटबॉल के भविष्य को लेकर चिन्ताएं जतायी हैं। साथ ही कहा कि इससे खेल में उभर रहीं प्रतिभाओं का भी मनोबल गिरेगा। इस स्टार फुटबॉलर ने कहा , मुझे सबसे पहले ये चिंता हुई कि मेरे पास खेल का जो समय बचा है उसमें मुझे क्या करना होगा। इसके बाद कई क्लबों के खिलाड़ियों से बात करने के बाद मुझे लगा कि मेरी समस्या उतनी बड़ी नहीं है। भारतीय फुटबॉल की वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। मुझे न केवल मेरे क्लब से, बल्कि अन्य क्लबों से भी खिलाड़ियों, स्टाफ सदस्यों, फिजियो, आदि के कई संदेश मिले हैं। छेत्री ने कहा कि, भारतीय फुटबॉल में अभी जो स्थिति बनी हुई है , वैसी पहले कभी नहीं थी। इसी कारण इस खेल से जुड़े लोग चिंतित, और घबराये हुए हैं। गौरतब है कि आयोजकों और अखिर भारतीय फुटबॉल महासंघ के बीच करार का नवीनीकरण नहीं होने से 2025-26 के सत्र को अनिश्चितता के लिए स्थगित कर दिया गया है। आईएसएल लीग आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक चलती है ।

तलवारबाज़ी में वैष्णवी बोरकर का परचम, राष्ट्रीय स्तर की तैयारी में जुटी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के संगम नगर क्षेत्र की निवासी वैष्णवी बोरकर ने हाल ही में आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की अंतरविद्यालय तलवारबाज़ी प्रतियोगिता वर्ष 2025 में अंडर-17 आयु वर्ग के फॉयल वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर डिवीजन स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित होने का गौरव प्राप्त किया है। वैष्णवी इस समय सेंट मैरी चैंपियन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा नवमी की छात्रा हैं और पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। वे वॉरियर फाउंडेशन मार्शल आर्ट संस्था में नियमित रूप से अभ्यास करती हैं तथा उनके प्रशिक्षक करन साहू के मार्गदर्शन में अभी से राष्ट्रीय तलवारबाज़ी प्रतियोगिता की तैयारी में पूरी मेहनत से जुटी हुई हैं। वैष्णवी तलवारबाज़ी के अतिरिक्त कोशीकी कराटे में भी राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता रह चुकी हैं और मुएथाई जैसी मार्शल आर्ट विधा में भी उनकी गहरी रुचि है। उनकी इस बहुमुखी उपलब्धि में उनके परिवार का भी पूरा सहयोग है, विशेष रूप से उनकी माता वर्षा बोरकर उन्हें निरंतर प्रोत्साहित करती हैं और उनका छोटा भाई भी उनके साथ प्रशिक्षण ले रहा है, जो स्वयं भी राष्ट्रीय पदक विजेता है।

होंडा और निसान मिलकर कर रही नया डिजिटल ब्रेन विकसित

नईदिल्ली (एजेंसी)। होंडा और निसान कंपनियां अब मिलकर एक नया डिजिटल ब्रेन सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म विकसित कर रही हैं। इसका उद्देश्य भविष्य की स्मार्ट कारों को ज्यादा इंटेलिजेंट, कनेक्टेड और सॉफ्टवेयर-ड्रिवन बनाना है। यह साझेदारी न केवल पारंपरिक इंजन-आधारित प्रतिस्पर्धा से परे जाती है, बल्कि चीन की उभरती कंपनियों जैसे बीवायडी, नीयो और एक्सपेंग को टक्कर देने की रणनीतिक कोशिश भी है। इस प्रोजेक्ट में 10 अरब डॉलर से अधिक का संयुक्त निवेश किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि अब वाहन निर्माण में हार्डवेयर नहीं, बल्कि डेटा और डिजिटल टेक्नोलॉजी प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इस गठबंधन की सबसे बड़ी ताकत इसका साझा सॉफ्टवेयर कोर होगा, जो होंडा और निसान की कारों को एक जैसी डिजिटल रीढ़ पर आधारित बनाएगा। इससे न केवल विकास की लागत में कमी आएगी, बल्कि नए फीचर्स और अपग्रेड्स को तेजी से कारों में लागू करना भी संभव हो पाएगा। यह सॉफ्टवेयर सिस्टम महज म्यूजिक या नेविगेशन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी कार के संचालन में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। ड्राइविंग कंट्रोल, रियल टाइम अपडेट, डेटा एनालिटिक्स और सुरक्षा से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं अब इसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगी। दोनों कंपनियां डेटा पर पूर्ण नियंत्रण रखने की भी तैयारी कर रही हैं। वे अपने निजी डेटा प्लेटफॉर्म विकसित करेंगी, जिससे न केवल डेटा की सुरक्षा बेहतर होगी बल्कि ग्राहकों की प्राइवेसी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अलावा, होंडा और निसान अब महंगे तकनीकी संसाधन जैसे इलेक्ट्रिक मोटर्स और सेमीकंडक्टर्स को साझा भी करेंगी, जिससे उत्पादन लागत घटेगी और टेक्नोलॉजी में नवाचार की गति बढ़ेगी। चीन की कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों को तकनीकी रूप से उन्नत और किफायती बनाकर वैश्विक बाजार में अपनी जगह मजबूत कर ली है।

रुपया 17 पैसे की बढ़त के साथ 86.24 डॉलर पर खुला

***मुंबई (एजेंसी)।** विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे की बढ़त के साथ 86.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार पर भारी पड़ रही है, जिससे रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी निकासी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया और स्थानीय मुद्रा की तेजी को सीमित कर दिया।*

आइकॉनिक पहचान बना चुकी है हुंडई क्रेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 21 जुलाई 2015 को लॉन्च हुई हुंडई क्रेटा कार आज 10 साल पूरे कर चुकी है और इस एक दशक में 12 लाख से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री के साथ एक आइकॉनिक पहचान बना चुकी है। 2015 में आई पहली जनरेशन ने लॉन्च के साथ ही लोगों का ध्यान खींचा और 2020 में जब दूसरी जनरेशन आई तो इसका बोल्ड डिजाइन और एडवांस फीचर्स और भी ज्यादा प्रभावशाली रहे। डिजाइन, फीचर्स और परफॉर्मेंस के बेहतरीन तालमेल ने क्रेटा को देश की सबसे भरोसेमंद एसयूवी बना दिया है। अब 2024 में तीसरी जनरेशन की क्रेटा बाज़ार में मौजूद है, जो और भी ज्यादा प्रीमियम और टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली है।

क्रेटा की खासियतों की बात करें तो यह कार दमदार लुक्स, शानदार रोड प्रेजेंस और मल्टीपल इंजन ऑप्शंस के लिए जानी जाती है। इसमें पेट्रोल, डीजल और अब इलेक्ट्रिक वर्जन भी मौजूद है, जिससे यह हर तरह के कस्टमर को अपील करती है। पैनोरमिक सनरूफ, अडास सेफ्टी फीचर्स, 360 डिग्री कैमरा, डिजिटल डिस्प्ले और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स इसे सेगमेंट में लीडिंग बनाते हैं। इसकी शुरुआती कीमत 11.11 लाख रुपये है, जबकि इलेक्ट्रिक मॉडल की कीमत 17.99 लाख रुपये से शुरू होती है। क्रेटा की पॉपुलैरिटी का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत में हर पांच में से एक मिड-साइज एसयूवी खरीदार ने क्रेटा को चुना है।

रिकॉर्ड उच्च स्तर के बाद लुढ़के सोना-चांदी के भाव

सोने के भाव 99,000 रुपए, चांदी 1,14,700 रुपए के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गुरुवार को नरमी देखी जा रही है। चांदी के वायदा भाव भी बुधवार को सार्वजनिक स्तर पर पहुंचने के बाद फिसल गए। घरेलू बाजार में सोने के भाव 99,000 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,14,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने चांदी के शुरुआती कारोबार में नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 299 रुपये की गिरावट के साथ 99,417 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 99,118 रुपये था। इस समय यह 385 रुपये की गिरावट के साथ 99,032 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 959 रुपये की गिरावट के साथ 1,14,675 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,15,634 रुपये था। इस समय यह 905 रुपये की गिरावट के साथ 1,14,729 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके के भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,398.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,397.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 14.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,383.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है।

रवि शास्त्री के पसंदीदा पांच खिलाड़ियों में सचिन पहले नंबर पर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री के पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, विराट कोहली और एमएस धोनी हैं। शास्त्री ने इनमें से गावस्कर और कपिल और सचिन के साथ खेला है जबकि बाकि दो के वह कोच रहे हैं। उनके अनुसार सचिन सबसे प्रभावशाली क्रिकेटर रहे हैं। शास्ती ने अपने करियर में 80 टेस्ट और 150 वनडे मैच खेले, जिसमें 3830 और 3108 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 151 और एकदिवसीय में 129 विकेट लिए। शास्त्री एक कार्यक्रम में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और एलेस्टेयर कुक के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान जब शास्त्री से भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली और महान खिलाड़ियों के नाम पूछे गए तो उन्होंने कहा कि कि। इन पांच खिलाड़ियों ने अलग-अलग तरीकों से और विभिन्न पीढ़ियों पर प्रभाव छोड़कर भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदला। शास्त्री ने सचिन से शुरुआत की, जिन्होंने 20 से ज्यादा साल तक भारतीय फैंस की उम्मीदों का भार संभाला। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाल एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 34357 सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। वहीं गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट को एक नया आत्मविश्वास दिया। वह 10 हजार टेस्ट रनों का आंकड़ा हासिल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी थे। कपिल देव ने महान कप्तान और ऑलराउंडर के तौर पर भारत को 1983 का विश्व कप जिताया। वहीं विराट ने अपने आक्रामक अंदाज से कप्तान और कोच के तौर पर भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कोहली भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तान हैं।

सुंदर भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर बनाकर उभरेगा : शास्त्री

मैनचेस्टर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने वाशिंगटन सुंदर की जमकर सराहना ही है। शास्त्री के अनुसार सुंदर एक अच्छे गेंदबाज होने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। ऐसे में वह भविष्य में बेहतर ऑलराउंडर के तौर पर उभरेंगे। इसलिए उन्हें अधिक से अधिक अवसर दिये जाने चाहिये। इस स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में ब्रिसबेन में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही अब तक केवल 11 टेस्ट मैच खेले हैं। जिसमें उनके नाम 30 विकेट और 545 रन हैं। शास्त्री ने कहा, 'मुझे शुरूआत से ही सुंदर प्रतिभाशाली लगा। मैंने उसे पहली बार देखते ही जान लिया था कि वह एक अच्छा खिलाड़ी है और उसमें एक अच्छा ऑलराउंडर बनने की क्षमताएं है। शास्त्री का मानना है कि इस क्रिकेटर को घरेलू धरती पर घूमती हुई पिचों पर लाल गेंद से अधिक मैच खेलने चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'वह अभी सिर्फ 25 साल का है। मुझे लगता है कि उसे और ज़्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिये था। भारत में जहां गेंद टर्न ले रही हो, वहां वह घातक साबित हो सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने प्रदर्शन किया था। उसने कुछ सीनियर स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन किया था और इसके साथ ही वह अच्छा बल्लेबाज भी है। वाशिंगटन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 की घरेलू टेस्ट सीरीज की चार पारियों में 16 विकेट लिए थे। शास्त्री ने उनकी बल्लेबाजी क्षमता की भी प्रशंसा की और कहा कि उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भी भेजा जा सकता है। शास्त्री ने कहा, 'वह स्वाभाविक रूप से प्रतिभाशाली बल्लेबाज है। वह बल्लेबाजी क्रम में आठवें नंबर का बल्लेबाज नहीं है। उसे बहुत जल्दी ही हम छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखेंगे। शास्त्री ने कहा कि वाशिंगटन की तकनीक अच्छी है जिससे वह विदेशी हालातों में भी सफल हो सकता है। उन्होंने कहा, 'एक बार जब वह आत्मविश्वास हासिल कर लेगा तो मुझे लगता है कि उसके खेल में और भी निखार आयेगा। उसने विदेश में भी अपनी लय बनाये रखी है। वह फिट खिलाड़ी है और वह वह लंबे स्पैल भी करता है और जरूरत के अनुसार बदलाव भी करता है।

रसेल ने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में आक्रामक पारी खेली हालांकि इस मैच में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी विदायी फीकी पड़ गयी। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में जोश इंग्लिस की अर्धशतकीय पारी से आसानी से जीत हासिल कर की। इस मैच में सभी की नजरें रसेल पर लगी रहीं। उन्हें देखने के लिए भारी संख्या में प्रशंसक भी स्टेडियम में पहुंचे थे। इस विदायी पार्टी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज इंग्लिस ने 33 गेंदों में ही 78 रन बनाए। रसेल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस मैच के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। वह सबीना पार्क में अपने घरेलू मैदान में विदाई मैच खेलना चाहते थे और उनका ये सपना पूरा हो गया। इस मैच में रसेल ने 15 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 36 रन बनाये।

प्रशंसकों का आभार जताया

इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 240 का था। वेस्टइंडीज टीम 20 ओवर में 172 रन बना पाई। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने जीत के लिए मिले 173 रनों के लक्ष्य को 16वें ओवर में ही हासिल कर लिया। मैच के बाद रसेल ने कहा, मैं सभी प्रशंसकों को समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

घरेलू दर्शकों के सामने खेलकर बहुत खुशी हुई, परिणाम भले ही हमारे पक्ष में नहीं गया पर इतने सारे मैच खेलकर मैं खुश हूं और टीम के भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी के समर्थन के लिए मैं आभारी हूं, मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते थे पर अब अंत में मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था, हमारी टीम में कई अच्छे युवा खिलाड़ी हैं, शेफर्ड भी जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं और रदरफोर्ड, अल्ज़ारी और होल्डर जैसे खिलाड़ी भी हैं। सबीना पार्क में अपने करियर का समापन करना काफी अच्छा रहा, परिणाम हमारे पक्ष में नहीं गया पर यहीं क्रिकेट का यही खेल है। आपने हमारा बहुत साथ दिया है और आगे भी देते रहिए। रसेल ने 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 86 मैचों में 163.80 के स्ट्राइक रेट से कुल 1122 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतक भी लगाये। वहीं गेंदबाजी के दौरान उन्होंने 61 विकेट विकेट लिए। उनका सबसे अच्छा गेंदबाजी प्रदर्शन 19 रन देकर 3 विकेट रहा है। उन्होंने 56 एकदिवसीय ओर एक टेस्ट खेला है पर इन दोनो ही प्रारुपों में वह सफल नहीं रहे हैं।

भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को तीसरे एकदिवसीय में हराकर 2-1 से सीरीज जीती

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड को तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में 13 रनों से हराकर 2-1 से सीरीज जीत ली है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले टी20 सीरीज भी जीती थी। ये पहली बार है जब महिला टीम ने टी20 और एकदिवसीय दोनो ही सीरीज जीती हैं। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ भी इसी प्रकार एकदिवसीय और टी20 सीरीज जीतीं थीं। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के शतक की सहायता से पांच विकेट पर 318 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवरों में 305 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा। क्रांति गौड़ ने छह विकेट अपने नाम किए, जबकि चरणी ने दो विकेट लिए। एक विकेट दीप्ति शर्मा को मिला। भारतीय पारी की शुरुआत अच्छी रही। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 64 रन बनाये। प्रतिका 26, जबकि मंधाना 45 रन बनाकर आउट हुईं। सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद हरमनप्रीत ने हरलीन देओल के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन बनाये। देओल ने 65 गेंदों में 45 रन बनाए। हरमनप्रीत ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ चौथे विकेट के लिए 110 रन बनाकर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। जेमिमा ने 50 रन जबकि हरमनप्रीत ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रन बनाये। वहीं मेजबान टीम की तरफ से लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, चार्ली डीन, सोफी एक्लेस्टोन और लिंसी स्मिथ ने एक-एक विकेट लिया। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, उसने शुरुआत में ही दोनो विकेट खो दिये। इसके बाद एम्मा लैंब ने कप्तान नतालिया-साइवर-ब्रंट के साथ तीसरे विकेट के लिए 162 रन बनाकर टीम को संभालने का प्रयास किया पर लैंब के 68 रन जबकि ब्रंट के 98 रन पर आउट होने से टीम ढ़ह गयी।

विश्वकप के लिए नये सिरे से तैयारी करनी होगी - हरमनप्रीत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि अब उनकी टीम स्वदेश लौटने के बाद एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियां करेगी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि इससे टीम का मनोबल बढ़ा है पर हमें यहीं नहीं रुकना है क्योंकि हर बार के हालात अलग होते हैं। इसलिए विश्वकप की शुरुआत नये सिरे से करनी होगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप भी जीता है। वहीं अब भारतीय टीम 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा। जिसमें उसका लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। हरमनप्रीत ने कहा, ''हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। यहां परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। वहीं विश्वकप के दौरान घरेलू मैदान पर हालात अलग होंगे।'' उन्होंने कहा, ''जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं।'' हरमनप्रीत ने कहा, ''पर जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरुआत करनी होती है और मुझे लगता है कि इस सीरीरज से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम आत्ममुग्ध हो जायें। जब हम स्वदेश लौटेंगे तो हमें फिर से नई शुरुआत करनी होगी।' भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड दौरे में सफलता का श्रेय टीम वर्क को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम पिछले कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही थी जिसका परिणाम अब मिल रहा है।

सपाट शुरुआत के बाद घरेलू बाजार में गिरावट

सेंसेस 170 अंक टूटा, निटी 25200 के नीचे फिसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बावजूद भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट लेवल पर खुले। वीकली एक्सपायरी और बढ़ती अस्थिरता के बीच निवशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। इसके अलावा आईटी शेयरों में गिरावट ने ब्रिटेन के साथ संभावित मुक्त व्यापार समझौते को लेकर आशावाद को कम कर दिया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ 82,779 पर खुला। हालांकि, खुलते ही यह लाल निशान में फिसल गया। फिलहाल यह 172.95 अंक फीसदी की गिरावट लेकर 82,553 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 25,243 अंक के सपाट लेवल पर खुला। फिलहाल यह 24.20 अंक गिरकर 25,195.70 पर चल रहा था। निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट ट्रेंट, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, टीसीएस, इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोल इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई के शेयरों में रही। जबकि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डॉ रेड्डीज लैब्स, टाटा मोटर्स, इटर्नल, नेस्ले इंडिया, आयशर मोटर्स, सन फार्मा और जेएसडब्ल्यू स्टील हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। ब्रोडर मार्केट्स में निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.07 प्रतिशत से 0.2 प्रतिशत तक की गिरावट आई। सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी आईटी इंडेक्स सबसे ज़्यादा नुकसान में रहा। निफ्टी रियल्टी और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स भी गिरावट वाले रहे। दूसरी तरफ, निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 0.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। साथ ही निफ्टी मेटल इंडेक्स में 0.34 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं एशिया-पैसिफिक मार्केट्स में तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील को लेकर बनी सहमति और यूरोपियन यूनियन के साथ बातचीत में सकारात्मक संकेतों से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। जापान का टॉपिक्स इंडेक्स 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया, जबकि निक्केई 1.09 फीसदी ऊपर रहा। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.6 फीसदी चढ़ा है और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 फ्लैट ट्रेड कर रहा है। वहीं अमेरिकी बाजारों में भी जबरदस्त तेजी रही। एसएंडपी 500 लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ और 6,358.91 के स्तर पर पहुंच गया। डाओ जोंस 507.85 पॉइंट की छलांग लगाकर 45,010.29 पर बंद हुआ। नेस्डेक ने भी पहली बार 21,000 का स्तर पार किया और 21,020.02 पर बंद हुआ।

धरती का श्रृंगार हैं वृक्ष - राजेन्द्र शुक्ल

वृक्षारोपण के महाअभियान में सभी अपनी सहभागिता निभायें : उप मुख्यमंत्री

माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के रीवा परिसर में किया वृक्षारोपण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि धरती का श्रृंगार वृक्ष हैं। वृक्षारोपण के महाअभियान में सभी अपनी सहभागिता निभायें तथा रीवा को हराभरा व सुंदर बनाने में योगदान दें। उप मुख्यमंत्री ने हरियाली महोत्सव में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर में दुर्लभ तमाल का पौधा रोपा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, कलेक्टर प्रतिभा पाल, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, वनमण्डाधिकारी लोकेश निरापुरे सहित जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों ने वृक्षारोपण किया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय के बलदेव सिंह सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान का आज शुभारंभ हो रहा है। रीवा शहर के चयनित स्थलों व सड़क के किनारे डेढ़ लाख पौधे लगाये जायेंगे। इससे पूर्व नगर वन एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय शहरवासियों के लिये उपलब्ध हैं। पीटीएस, वेटनरी कालेज तथा इंजीनियरिंग कालेज की भूमि में वृहद वृक्षारोपण होगा और यह शहर के लिये सौगात होगी। शुक्ल ने कहा कि सघन वृक्षारोपण के कारण बड़े शहर सुंदर दिखाई देते हैं हमारा रीवा भी आने वाले समय में वृक्षों से अच्छादित हरीतिमा युक्त शहर होगा। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी का आहवान किया कि वृक्षारोपण में मददगार बनें क्योंकि वृक्ष आक्सीजन की कमी को दूर करते हैं और यह मानव समाज की चुनौती को संतुलित करते हैं। उप मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन के लिये आयोजक जयराम शुक्ल को साधुवाद दिया जिनके प्रयासों से पत्रकारिता विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण में संस्कृति कर्मी, साहित्यकार, पत्रकार, विद्वतजन एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही।

इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी की संकल्पना एवं समाज की भागीदारी से 15 जून से 15 सितम्बर तक रीवा शहर में डेढ़ लाख पौधे लगाये जायेंगे। शहरी क्षेत्र में विभिन्न संगठनों व आमजनों ने पेंड दान किये हैं जिन्हें निर्दिष्ट स्थलों में रोपा जा रहा है। जितने पेड़ लगाये जायेंगे उनकी सुरक्षा भी की जायेगी। ग्रामीण क्षेत्र में कम्यूनिटी एवं व्यक्तिगत तौर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। सांसद जी के प्रयासों से मुनगा के एक लाख पौधे लगाये जा रहे हैं। वन विभाग भी 3 लाख 50 हजार पौधे लगा रहा है। आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने अपने उद्बोधन में बताया कि शहर में डेढ़ लाख पौधों के रोपण किया जा रहा है जिसमें स्वयंसेवी संस्था, शैक्षणिक संस्थान, व्यापारी संघ, उद्योगपति तथा अन्य लोग भी 25 हजार पेड़ दान कर चुके हैं। वृक्षारोपण कर दो वर्ष तक नगर निगम इनकी सुरक्षा करेगा। उन्होंने लोगों से इस अभियान में और अधिक जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने भोपाल से वर्चुअल संबोधित करते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में रीवा पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रदेश व देश में अपना स्थान बना रहा है। ऊर्जावान परिसर से निकलने वाले विद्यार्थी मीडिया क्षेत्र में अपना स्थान बनायेंगे। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. जयराम शुक्ल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि बघेलखण्ड में हरियाली अमवस्या लोक परंपरा का अद्विवीय पर्व है। इस दिन धरतीमाता का पौधरोपण कर श्रृंगार किया जाता है जो विश्वविद्यालय के लिये अविस्मरणीय रहेगा। उप मुख्यमंत्री जी ने इस दिवस पर वृक्षारोपण कर महाअभियान का शुभारंभ किया है। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन कुल सचिव प्रशासन विवेक शाक्य ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य सैनिक स्कूल अविनाश रावल, साहित्यकार चन्द्रिका प्रसाद चन्द्र, डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय के परिसर प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र डहरिया सहित जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने पर्यटन कॉन्क्लेव की तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 26 और 27 जुलाई को पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 26 जुलाई को शाम 4 बजे कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में की जा रही पर्यटन कॉन्क्लेव की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा कि कॉन्क्लेव में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण तथा विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। मुख्य हाल में इनके बैठने की समुचित व्यवस्था करें। मुख्यमंत्री तथा उप मुख्यमंत्री के आगमन मार्ग एवं मंच की साज-सज्जा के संबंध में निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार तैयारी करें। कलेक्टर ने पर्यटन कॉन्क्लेव के प्रचार-प्रसार, वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, प्रदर्शनी की तैयारियाँ तथा अतिथियों के स्वागत के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा पर्यटन विभाग अधिकारियों एवं नोडल एजेंसी के प्रतिनिधियों ने कॉन्क्लेव के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी दी।

कलेक्टर और एसपी ने कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 26 जुलाई को सतना जिले में नागौद विकासखण्ड के ग्राम हरदुआ और रैगांव विधानसभा क्षेत्र के सिंहपुर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम जीतेन्द्र वर्मा, एलआर जांगडे सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने सिंहपुर के हेलीपैड और आम सभास्थल स्टेडियम का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उनहोंने सभा स्थल पर मंच, बेरिकेटिंग, बैठक व्यवस्था, पेयजल एवं प्रसाधन सुविधा, वाहन पार्किंग तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। इसके पश्चात स्टेडियम सिंहपुर के निकट पटपरनाथ धाम में अधिकारियों की बैठक लेकर आयोजन के संबंध में जिम्मेदारियां दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 26 जुलाई को सतना जिले के नागौद विकासखण्ड में हरदुआ और सिंहपुर में कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हरदुआ में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के पितामह स्व. जीवनदास बागरी के निवास पहुंचकर स्व. जीवन दास बागरी के निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हेलीकाप्टर से सिंहपुर जायेंगे और वहां स्टेडियम में आयोजित महिला सम्मेलन और आमसभा को संबोधित करेंगे।

प्रतिभाशाली बच्चों को श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश के लिये निशुल्क कोचिंग व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश में प्रतिभाशाली बच्चों को देश के श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश की कोचिंग के लिये सुपर 100 योजना संचालित कर रहा है। कोचिंग के लिये चयनित बच्चों को विभाग शासकीय सुभाष उच्च.मा.विद्यालय भोपाल और शासकीय मल्हार आश्रम उच्च.मा.विद्यालय इंदौर में निशुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक बच्चों को देश के चयनित इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ और मैनेजमेंट से जुड़े कॉलेजों में प्रवेश मिला है।

सुपर 100 योजना में मेधावी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये निःशुल्क कोचिंग प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इस योजना में प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों का परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाता है। इस वर्ष राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 26 जुलाई तक दिये जा सकते हैं। परीक्षा की तिथि 3 अगस्त 2025 रविवार को प्रथम पाली में जेईई के लिये और द्वितीय पाली में नीट की परीक्षा होगी। परीक्षा केन्द्र प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय के उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय में बनाये गये हैं। परीक्षा फार्म शुल्क 200 रूपये प्रति छात्र निर्धारित किये गये हैं। पिछले वर्ष इंदौर और भोपाल के सुभाष उच्च.मा.विद्यालय में करीब 300-300 विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधा दिलाई गई थी। चयनित बच्चों को निःशुल्क छात्रावास सुविधा, आधुनिक प्रयोगशाला, स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासेस और बच्चों को करियर काउंसलिंग की बेहतर व्यवस्था रहती है। सुपर 100 योजना के माध्यम से बच्चों को एम्स, आईआईटी के साथ देशभर के अनेक कॉलेजों में प्रवेश मिला है। लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को चयन प्रतियोगी परीक्षा में अधिक से अधिक छात्र शामिल हो सकें, इसके लिये योजना की जानकारी दिये जाने के निर्देश दिये हैं। आवेदन पर किये जा सकते हैं। परीक्षा का प्रवेश पत्र वेबसाइट अथवा मोबाइल एप उचेवे से डाउनलोड किये जा सकते हैं। योजना के संबंध में फोन नं-0755-2552106 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

हरियाली अमावस्या के दिन महिलाओं ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने आज परिषद के नवाचारी कार्यक्रम नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा का शुभारंभ किया। पर्यावरण संरक्षण में उनकी सतत और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा पर केन्द्रित इस अभियान का प्रमुख उददेश्य नारी शक्ति के माध्यम से स्वैच्छिकता के आधार पर पर्यावरण संरक्षण करना है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में नारी शक्ति को नवांकुर संस्थाओं द्वारा नवांकुरित पौधे उपहार में दिए जाएंगे। जिसका संरक्षण कर प्रतिवर्ष रक्षाबंधन पर्व पर पौधों को भाई के रूप में राखी बांधकर महिलाएं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेंगी।

इस आयोजन के अंतर्गत प्रत्येक सेक्टर में 100 महिलाएं नवांकुर सखी के रूप में पंजीकृत की गई हैं। ये नवांकुर सखियां 11 बीज रोपित एवं अंकुरित पौध रोपित थैलियों के माध्यम से अपने घर की बगिया में पौधे विकसित करेंगी। विकसित पौधों को रोपण लायक होने की स्थिति में एक पेड़ मां के नाम अभियान में शासकीय या निजी भूमि में परिवार महत्व के अवसरों पर रोपित किया जायेगा। ये पौधे एक पेड़ मॉ के नाम अभियान में आगामी वर्षों में रोपण हेतु 24 से 28 जुलाई तक आयोजित इस अभियान में आवश्यक सहयोग एवं भागीदारी सुनिश्चित करायेंगे।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को अब निजी अस्पतालों में भी मिलेगा मुफ्त इलाज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा "सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नगद रहित उपचार योजना, 2025" लागू कर दी गई है। इस योजना का उद्देश्य सड़क हादसे में घायल व्यक्तियों को दुर्घटना की तारीख से 7 दिन के भीतर अधिकतम 1.5 लाख तक कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि सभी निजी चिकित्सालयों, नर्सिंग होम्स एवं अस्पतालों को जारी निर्देशों के अनुसार डिज़िग्नेटेड अस्पतालों के साथ-साथ नॉन-डिज़िग्नेटेड अस्पताल भी इस योजना के दायरे में रहेंगे। डिज़िग्नेटेड अस्पतालों को आयुष्मान भारत "निरामय" योजना के तहत अधिकृत किया गया है और ये आयुष्मान पोर्टल व पॉलिसी मैनेजमेंट सिस्टम में पंजीकृत होंगे। नॉन-डिज़िग्नेटेड अस्पतालों को इलाज उपरांत भुगतान प्राप्त करने हेतु एचएफआर हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। इसको बनाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित है। स्टेब्लाइजेशन पैकेज के अंतर्गत प्राथमिक उपचार की अनुमति दी गई है। दुर्घटना की तारीख से 7 दिन की समय-सीमा तक पीड़ित 1.5 लाख तक के कैशलेस इलाज का लाभ ले सकेंगे। उपचार केवल सूचीबद्ध (नामित) अस्पतालों में ही किया जाएगा।

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के पर्यटन गंतव्यों व गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए 26 और 27 जुलाई 2025 को रीवा के कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिला प्रशासन एवं डीएटीसीसी के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों एवं निवेशकों होटल, रिसार्ट, व्यवसायी, टूर ऑपरेटर्स की सक्रिय सहभागिता करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी विद्याचरण तिवारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। क्षेत्रीय पर्यटन कान्क्लेव का आयोजन कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में 26 एवं 27 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सफल आयोजन के लिये अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे हैं।

आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे कान्क्लेव के प्रभारी अधिकारी होंगे तथा अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह कानून, यातायात, पार्किंग एवं संपूर्ण सुरक्षा का दायित्व संभालेंगी। विशिष्ट अतिथियों एवं अन्य अतिथियों व वीआईपी के पास का दायित्व सीईओ जिला पंचायत एवं एपीओ स्वच्छता फरहद जैब को सौंपा गया है।

कान्क्लेव स्थल में साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, अतिथियों के लिये आवास व्यवस्था का दायित्व संबंधित अधिकारियों को सौंपा गया है। विशिष्ट अतिथियों तथा कलाकारों के लिये वाहन, आवास, भोजन आदि का दायित्व विभागीय अधिकारी संभालेंगे। कार्यक्रम स्थल में चिकित्सा एवं फूडजोन के लिये भी अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये है। कार्यक्रम स्थल में आयोजित होने वाली प्रदर्शनी व कंट्रोल रूम के लिये प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। आयोजन के प्रचार प्रसार का दायित्व जनसंपर्क विभाग के उप संचालक उमेश तिवारी व पीआरओ शिवप्रसन्न शुक्ल को सौंपा गया है।

पर्यटन कॉन्क्लेव पर विशेष, अनंत जल रश्मियों की अनुपम छटा बिखेरते विन्ध्य के जलप्रपात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गिरने को अच्छा नहीं माना जाता है, लेकिन वर्षा जल से नवयौवन को प्राप्त नदियों की अथाह जलराशि ऊंचे पर्वतखण्डों से नीचे गिरकर जलप्रपात बनाती है तो गिरना भी सार्थक हो जाता है। प्राचीन काल से पूरा विन्ध्य क्षेत्र घने वनों, दुर्गम पर्वतों, वन्य प्राणियों और ऋषि मुनियों से समृद्ध प्रदेश रहा है। विन्ध्य पर्वतमाला की कई छोटी-बड़ी नदियां वर्षाकाल में अपार जलराशि के साथ सुंदर जलप्रपातों का निर्माण करती हैं। रीवा और मऊगंज जिले में चार बड़े और आकर्षक जल प्रपात हैं। इन जलप्रपातों में जून से दिसम्बर माह तक पर्यटकों की भीड़ रहती है। वर्षाकाल में नदियों की अनंत जल रश्मियाँ जलप्रपातों में घोर गर्जना के साथ सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरती हैं। जलप्रपातों के मामले में विन्ध्य देश का सबसे समृद्ध क्षेत्र है। लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में यहाँ अलग-अलग नदियों पर चार बड़े जलप्रपात स्थित हैं। इनका समुचित विकास होने पर इन्हें पर्यटन के बड़े केन्द्रों के रूप में विकसित किया जा सकता है।

पुरवा जलप्रपातः- यह जलप्रपात रीवा से केवल 35 किलोमीटर दूर स्थित है। यह जलप्रपात अपनी प्राकृति सुंदरता भौगोलिक महत्व और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। पुरवा जलप्रपात में टमस नदी 230 फिट ऊपर से गिरकर सुंदर प्रपात का निर्माण करती है। पुरवा जलप्रपात विन्ध्य के अन्य प्रपातों की तुलना में अधिक चौड़ा है। नदी में अच्छा पानी होने पर इसकी गर्जना दूर से सुनाई देती है। इसके चारों ओर सुरक्षा के लिए बाउन्ड्रीवॉल बना दी गई है। इसके पास पर्यटन विभाग तथा वन विभाग का गेस्टहाउस भी है। रीवा से आसानी से पुरवा प्रपात पहुंचा जा सकता है।

चचाई जलप्रपातः- चचाई जलप्रपात मध्यप्रदेश का छिपा हुआ र% है। यह रीवा शहर से 45 किलोमीटर दूर है। यहाँ बीहर नदी 430 फिट की ऊंचाई से गिरकर आकर्षक जलप्रपात का निर्माण करती है। यह क्षेत्र घने वनों और प्राकृतिक सौन्दर्य से भरा हुआ है। यहाँ पानी ऊंचाई से गिरकर संकरी घाटी में गिरकर शक्तिशाली धारा के रूप में दिखाई देता है। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने चचाई प्रपात को देखकर इसे प्रकृति का अनुपम उपहार बताया था। सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. विद्यानिवास मिश्र के रूपहला धुंआ निबंध में चचाई प्रपात के अनुपम सौंदर्य का सुंदर चित्रण किया गया है। टोंस जलविद्युत परियोजना के कारण अब चचाई जलप्रपात का सौंदर्य केवल वर्षाकाल में ही दृष्टिगोचर होता है। इसके कई फोटो बहुत प्रसिद्ध हुए हैं। चचाई प्रपात से जुड़ी कई ऐतिहासिक कहानियाँ और किवदंतियाँ क्षेत्र में प्रचलित हैं।

क्योटी जलप्रपातः- क्योटी जलप्रपात रीवा से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित है। चचाई जलप्रपात से इसकी दूरी महज 15 किलोमीटर है।

कमिश्नर और आईजी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 26 जुलाई को सतना जिले में नागौद विकासखण्ड के ग्राम हरदुआ और रैगांव विधानसभा क्षेत्र के सिंहपुर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने आईजी गौरव राजपूत के साथ गुरुवार को सिंहपुर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सिंहपुर स्टेडियम में प्रस्तावित स्थल पर की जा रही तैयारियों, मंच, दर्शक-दीर्घा, वाहन पार्किंग एवं आवागमन तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कमिश्नर में बनाए गए हेलीपैड का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।